भाद्रपद शुक्ल - 6 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 47 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 09-09-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 चाहे गाय हो या व्यक्ति, किसी की भी 'लिंचिंग' नहीं होनी चाहिए : आरएसएस

6 उम्मीदों के टूटने जैसा है विनेश का राजनीति में जाना

7 सरकार के साथ नहीं करूंगा समझौता : इमरान खान

फर्स्ट टेक

बजरंग पूनिया को मिली जान से मारने के धमकी, कांग्रेस छोड़ने को कहा

सोनीपत/भाषा। कांग्रेस में हाल में शामिल हुए ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया को जान से मारने की धमकी मिली है जिसके बाद उन्होंने यहां पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने बताया कि पूनिया को विदेशी नंबर से सोशल मीडिया मंच 'व्हाट्सऐप' पर धमकी दी गई है। पुलिस के मुताबिक, बजरंग को दी गई धमकी में लिखा है कि बजरंग कांग्रेस छोड़ दो वरना तेरे और तेरे परिवार के लिए अच्छा नहीं होगा। ये हमारा आखिरी संदेश है। बजरंग ने सोनीपत के बहालगढ़ थाने में शिकायत दर्ज कराई है। जिला पुलिस प्रवक्ता रविंदर सिंह ने बताया, पुलिस को शिकायत मिली है और हम जांच कर रहे हैं। हरियाणा विधानसभा चुनाव के बीच पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया का राजनीति में प्रवेश हुआ है। दिल्ली में शुक्रवार को दोनों कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए।

भारत 2030 युवा ओलंपिक के लिए दावेदारी पेश करेगा

नई दिल्ली/भाषा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने रविवार को कहा कि भारत 2030 में होने वाले युवा ओलंपिक के लिए बोली लगाने के लिए तैयार है, जो 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी हासिल करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। वर्ष 2030 में पांचवें युवा ओलंपिक खेलों का आयोजन किया जाएगा। मांडविया ने यहां एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) की 44वीं महासभा के अवसर पर कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम 2030 में होने वाले युवा ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए बोली लगाने जा रहे हैं, लेकिन हमारा ध्यान 2036 ओलंपिक की मेजबानी पर है।

मणिपुर में सुरक्षा बढ़ाई गई, ड्रोन रोधी प्रणालियां तैनात

इंफाल/भाषा। मणिपुर में हिंसा की नई घटनाओं में कई लोगों की मौत के बाद राज्य में रविवार को सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। अधिकारियों ने बताया कि स्थिति तनावपूर्ण, लेकिन नियंत्रण में है। एक अधिकारी ने कहा, रविवार को अभी तक हिंसा की कोई नई घटना दर्ज नहीं की गई है। विभिन्न जिलों के पुलिस अधीक्षक सुरक्षा बलों के साथ मिलकर स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं। उन्होंने बताया कि असम राइफल्स ने किसी भी ड्रोन हमले से निपटने के लिए इंफाल घाटी के दूरस्थ इलाकों में ड्रोन रोधी प्रणालियां तैनात की हैं। अधिकारी के मुताबिक, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने राज्य पुलिस को एक ड्रोन रोधी प्रणाली सौंपी है।

09-09-2024 सूर्यास्त	10-09-2024 सूर्योदय
6:24 बजे	6:08 बजे

BSE	NSE
81,183.93	24,852.15
(-1,017.23)	(-292.95)

सोना	चांदी
7,531 रु.	86,409 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

अंतहीन व्यभिचार

बढ़ रहे रोज दुष्कर्म आज,
बालिग नाबालिग सब शिकार।
हो रहे पतित इंसान यहां,
हर मन के भीतर दुराचार।
क्या कारण है इसका आखिर,
सोचे निज मन में सभी यार।
या तो भीतर इंसान मरा,
या सिस्टम में आया विकार।।

पारसी समुदाय ने भारत के विकास में चुपचाप महत्वपूर्ण योगदान दिया : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि पारसी समुदाय ने भारत के विकास में चुपचाप महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने इस यात्रा में गुजराती अखबार 'मुंबई समाचार' की भूमिका की सराहना की।

एशिया के सबसे पुराने अखबार की 200 साल की उल्लेखनीय यात्रा पर आधारित वृत्तचित्र 'मुंबई समाचार- 200 नॉट आउट' को जारी करने के बाद शाह ने कहा कि इसे संचालित करने वाले कामा परिवार ने विश्वास की पत्रकारिता का उदाहरण प्रस्तुत किया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''हमें कामा परिवार जैसे पारसी परिवारों का सम्मान करना चाहिए, जो अभी भी गुजराती बोलते हैं और उस भाषा में अखबार चलाते हैं। अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए लड़ने वालों से मैं कहना चाहता हूं कि अल्पसंख्यकों में अगर कोई सच्चा अल्पसंख्यक है तो वो पारसी समुदाय है। उन्होंने कभी अधिकारों के लिए जोर न देते हुए अपने कर्तव्यों पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपना जीवन जिया है।'' उन्होंने कहा कि पारसी समुदाय ने बिना कोई मांग किए हर क्षेत्र में योगदान दिया है। शाह ने कहा कि पारसी समुदाय ने शासन, उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी, फिनटेक, परमाणु विज्ञान जैसे क्षेत्रों में अपना कर्तव्य निभाया और साथ ही उस युद्ध को (फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ का संदर्भ देते हुए) भी जीता जिसने बांग्लादेश को जन्म दिया।

शाह ने कहा कि उनकी प्रार्थना है कि सभी समुदाय पारसी की तरह हों, जिन्होंने बिना कुछ मांगे विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान दिया, जिसे देश कभी नहीं भूलेगा।

मंकीपॉक्स के संदिग्ध मामले की जांच जारी, चिंता की कोई बात नहीं : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को कहा कि उस व्यक्ति की जांच की जा रही है जो हाल ही में ऐसे देश से लौटा है जहां मंकीपॉक्स के मामले हैं। इस व्यक्ति को मंकीपॉक्स का संदिग्ध मामला माना जा रहा है। मंत्रालय ने कहा कि व्यक्ति को एक निर्दिष्ट अस्पताल में पृथकवास में रखा गया है और फिलहाल उसकी हालत स्थिर है, चिंता की कोई बात नहीं है। एमपॉक्स की जांच के लिए व्यक्ति के नमूने लिए गए हैं। मंत्रालय ने कहा, निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुरूप मामले को देखा जा रहा है। यह पता लगाने के प्रयास जारी हैं कि कौन कौन उस व्यक्ति के संपर्क में आया है...।

मंत्रालय ने कहा कि देश ऐसे अलग-अलग यात्रा-संबंधी मामलों से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है और किसी भी संभावित जोखिम से निपटने के लिए मजबूत उपाय किए गए हैं।

पीओके निवासी जल्द ही हमारे साथ जुड़ेंगे : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामबन/एजेन्सी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि पाकिस्तान सरकार पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के लोगों को 'विदेशी' मानती है, लेकिन भारत सरकार का मानना है कि वे भारतीय नागरिक हैं और वह समय दूर नहीं, जब वे भारत का हिस्सा बनने की इच्छा व्यक्त करेंगे।

सिंह ने यहां एक विशाल चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा, पाकिस्तान के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने हाल ही में एक अदालत में प्रस्ताव पेश किया, जिसमें पीओके निवासियों को 'विदेशी' बताया गया था। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि भारत सरकार का मानना है कि पीओके के लोग भारतीय नागरिक हैं। उन्होंने कहा कि वह समय दूर नहीं जब पीओके के लोग खुद आगे आएंगे और भारत का हिस्सा बनने की इच्छा व्यक्त करेंगे। उन्होंने कहा,अगर हम सत्ता में आए तो हम अगले 10 सालों में जम्मू-कश्मीर को एक आदर्श राज्य बना देंगे। उन्होंने लोगों से 18 सितंबर से तीन चरणों में होने वाले जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवारों को वोट देने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह एक ऐतिहासिक चुनाव होगा क्योंकि पूरा भारत उत्सुकता से इसे देखेगा।

सिंह ने कहा,मैं हाल ही में अमेरिका में था और वहां भारतीय लोगों ने मुझसे पूछा कि जम्मू-कश्मीर में चुनावों का क्या होगा, मैंने उन्हें स्पष्ट रूप से बताया कि जम्मू-कश्मीर में भाजपा की सरकार होगी। न केवल भारतीय लोग, बल्कि दुनिया भर के लोग जम्मू-कश्मीर के चुनावों को देख रहे हैं। उन्होंने लोगों से भाजपा को अगले दस वर्षों तक उनकी सेवा करने का मौका देने के लिए भी अपील की। उन्होंने कहा,अगर भाजपा यहां सत्ता में आती है तो आप एक नया जम्मू-कश्मीर देखेंगे।

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती का स्पष्ट संदर्भ देते हुए सिंह ने कहा कि कुछ लोग दावा करते थे कि अगर अनुच्छेद 370 को छुआ गया तो पूरा जम्मू-कश्मीर जल जाएगा। उन्होंने कहा, हमने इसे वापस ले लिया लेकिन एक भी गोली नहीं चली। उन्होंने कहा कि पूरे जम्मू-कश्मीर में शांतिपूर्ण माहौल कायम है।

पाकिस्तान आतंकवाद बंद कर दे तो हम बातचीत के लिए तैयार हैं

बनिहाल (जम्मू-कश्मीर)/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि अगर पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद बंद कर दे तो भारत उसके साथ बातचीत शुरू करने के लिए तैयार है।

नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने अपने चुनावी घोषणापत्र में पाकिस्तान से बातचीत का आह्वान किया है। पार्टियों का नाम लिए बिना सिंह ने कहा, कुछ लोग चाहते हैं कि हम पाकिस्तान से बात करें। मैं उनसे कहना चाहता हूं...पाकिस्तान को आतंकवाद को समर्थन देना बंद करना होगा।

सिंह ने रैली में कहा, कौन पड़ोसी देशों के साथ संबंध सुधारना नहीं चाहेगा? क्योंकि मैं इस वास्तविकता को जानता हूं कि आप अपने मित्र को बदल सकते हैं, लेकिन अपने पड़ोसी को नहीं। हम पाकिस्तान के साथ बेहतर संबंध चाहते हैं, लेकिन सबसे पहले उन्हें आतंकवाद को रोकना होगा।

रक्षा मंत्री ने कहा कि जब पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को प्रायोजित करना बंद कर देगा, तो भारत उसके साथ बातचीत शुरू करेगा।

सिंह ने कहा, जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की चपेट में आने वालों में 85 प्रतिशत मुसलमान थे। कश्मीर में आतंकवादी घटनाएं आम बात थी। क्या आतंकवादी घटनाओं में हिंदू मारे जा रहे थे? मैं गृह मंत्री रह चुका हूं और मुझे पता है कि आतंकवादी घटनाओं में सबसे अधिक मुसलमानों की जान गई।

द्रविड़ मॉडल सरकार दुनिया भर में तमिलों की करती है रक्षा : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/एजेन्सी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कहा है कि द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) की द्रविड़ मॉडल सरकार दुनिया भर में तमिलों की रक्षा करती है।

निवेश आकर्षित करने के लिए अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर गए स्टालिन ने रविवार को शिकागो में तमिल समुदाय को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने शिकागो तमिल एसोसिएशन और शिकागो तमिल संगम द्वारा आयोजित शिकागो में आयोजित अमेरिकी तमिलों की बैठक में कहा,न केवल तमिलनाडु में तमिल, बल्कि दुनिया भर के तमिल भी हमारी द्रविड़ मॉडल सरकार द्वारा संरक्षित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा,हमने प्रवासी तमिलों के लिए 'ओवरसीज तमिल वेलफेयर बोर्ड' बनाया है। 12 जनवरी को प्रवासी तमिल दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस बोर्ड के माध्यम से हमने 'यूनाइट थ्रू तमिल', 'तमिल वर्ल्डवाइड' और 'तमिल ट्राइंफ्स' जैसे विषयों पर सम्मेलन आयोजित किए हैं।

उन्होंने कहा कि तमिलनाडु सरकार ने विदेशों में तमिलों के लिए एक टोल-फ्री सहायता केंद्र स्थापित किया है तथा 'माई विलेज' पहल विदेशी तमिलों को अपने गृहनगर को बेहतर बनाने में मदद करती है। कनियन पूंगुंद्रनार पुरस्कार प्रवासी तमिलों को दिया जाता है।

उन्होंने कहा, हम उन लोगों के परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं जो काम के लिए विदेश जाते हैं और कठिनाइयों का सामना करते हैं। हमने युद्ध के दौरान शिक्षा के लिए यूक्रेन गए 1,524 छात्रों को बचाया है और कंबोडिया, थाईलैंड और म्यांमार से 83 तमिलों को वापस लाए।

मगध एक्सप्रेस की 'कपलिंग' टूटी, दो हिस्सों में बंटी ट्रेन

पटना/भाषा। बिहार के बक्सर जिले में त्रिवेणीगंज और रघुनाथपुर रेलवे स्टेशनों के बीच रविवार सुबह नई दिल्ली से इस्लामपुर जा रही मगध एक्सप्रेस (20802) की 'कपलिंग' अचानक टूट गई, जिससे ट्रेन दो हिस्सों में बंट गई। पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) सरस्वती चंद्रा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, यह घटना सुबह करीब 11.08 बजे तुरीगंज और रघुनाथपुर रेलवे स्टेशनों के बीच हुई। उन्होंने बताया कि डाउन लाइन में त्रिवेणीगंज-रघुनाथपुर के बीच ट्रेन के इंजन से 13वें नंबर के डिब्बा 'एस-7' और इंजन से 14वें नंबर के डिब्बा 'एस-6' के बीच का 'कपलिंग' अचानक टूट गया। सीपीआरओ ने बताया कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है।

पैरालंपिक खेल 2024

भारत ने रिकॉर्ड 29 पदकों के साथ समापन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस/भाषा। पूजा ओझा रविवार को यहां महिलाओं की कयाक एकल 200 मीटर केएल1 स्प्रिंट कैनोइंग स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाने से चूक गईं और इसके साथ ही भारत का पैरालंपिक खेलों में अभियान भी समाप्त हो गया जिसमें उसने रिकॉर्ड 29 पदक जीते।

भारत ने सात स्वर्ण, नौ रजत और 13 कांस्य पदकों के रिकॉर्ड के साथ पेरिस पैरालंपिक खेलों का समापन किया और उसका पदक तालिका में 18वें स्थान पर रहना तय है।

पैरालंपिक 2024 विशेष और ऐतिहासिक रहा है : मोदी

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि पेरिस पैरालंपिक 2024 विशेष और ऐतिहासिक रहा है खेलों में हमारे एथलीटों ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

मोदी ने आज सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, पैरालंपिक 2024 विशेष और ऐतिहासिक रहा है। भारत इस बात से बेहद खुश है कि हमारे बेहतरीन पैरा-एथलीटों ने 29 पदक जीते हैं, जो कि खेलों में भारत के पदार्पण के बाद से अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उन्होंने कहा, यह उपलब्धि हमारे एथलीटों के अटूट समर्पण और अदम्य भावना के कारण है। उनके खेल प्रदर्शनों ने हमें कई यादगार पल दिए हैं और कई उभरते एथलीटों को प्रेरित किया है।

गणेश उत्सव

बेंगलूरु के माहेश्वरी सभा व मित्र मंडल के वरिष्ठ सदस्य आशाराम बसंतकुमार सारड़ा परिवार के शांतिनगर निवास स्थान पर गणेश चतुर्थी के मौके पर गणेश उत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें बांस से बनी प्रभु गणेश की मनोरम छवि की झांकी सजाई गई। इस गणेश उत्सव में शहर के जाने माने गायक हरिकिशन सारड़ा, मोनू गादिया व अन्य गायकों ने भगवान श्री गणेश सहित अनेक देवी देवताओं के भजन प्रस्तुत किए। निरंजन सारड़ा द्वारा लिखित बाबा रामदेव का लोकभजन 'अजमालजी रा कंवरा' को जब उनके अनुज हरिकिशन सारड़ा ने गाया तो लोगों ने खूब सराहना की। इसके अलावा अन्य भजन गायकों ने अपनी अपनी प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सारड़ा परिवार के हितैषी व मित्रगण शामिल हुए एवं भजनों का आनंद उठाया।

अबू धाबी के वली अहद अल नाहयान दिल्ली पहुंचे, गर्मजोशी से किया गया स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अबू धाबी के वली अहद (युवराज)शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान अपनी दो दिवसीय भारत यात्रा के तहत रविवार को नई दिल्ली पहुंचे, जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

नाहयान अपने भारत प्रवास के दौरान पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ऊर्जा और संपर्क सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा करेंगे। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने हवाई अड्डे पर अबू धाबू के वली अहद की अगवानी की, जिसके बाद उनका औपचारिक स्वागत किया गया। यह उनकी इस यात्रा को भारत द्वारा दिए गए महत्व को दर्शाता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा, ऐतिहासिक संबंधों में एक नया मील का पत्थर। महामहिम शेख खालिद बिन जायद अल नाहयान भारत की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर दिल्ली पहुंचे।उन्होंने कहा, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गर्मजोशी से एवं औपचारिक स्वागत किया। वली अहद अल नाहयान के साथ संयुक्त अरब अमीरात सरकार के कई मंत्री और एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी आया है।

अपनी यात्रा के दिल्ली चरण के समापन के बाद अल नाहयान एक व्यापार मंच में भाग लेने के लिए मुंबई जाएंगे। दोनों देशों के शीर्ष व्यापार नेता मंगलवार को होने वाले इस बैठक में हिस्सा लेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अल नाहयान की यात्रा से भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच संबंध और मजबूत होंगे तथा नए और उभरते क्षेत्रों में साझेदारी के रास्ते खुलेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी और वली अहद अल नाहयान सोमवार को वार्ता करेंगे।

पुणे के दगडूशेठ गणपति पंडाल में 35,000 महिलाओं ने किया 'अथर्वशीर्ष' का जाप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के पुणे शहर में 10 दिवसीय गणेश उत्सव के दौरान रविवार सुबह प्रसिद्ध श्रीमंत दगडूशेठ गणपति पंडाल में करीब 35,000 महिलाओं ने भगवान गणेश को समर्पित संस्कृत पाठ 'अथर्वशीर्ष' का जाप किया।

कार्यक्रम के आयोजकों ने बताया कि पारंपरिक परिधान पहने महिलाएं सुबह-सुबह पंडाल में एकत्र हुईं और 'अथर्वशीर्ष' का पाठ किया। हर साल गणेश उत्सव के दूसरे दिन हजारों महिलाएं संस्कृत पाठ 'अथर्वशीर्ष' का जाप करती हैं।

पुणे के धर्मार्थ संगठन श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई सार्वजनिक गणपती ट्रस्ट ने कहा कि यह उनके गणेश उत्सव समारोह में 'अथर्वशीर्ष' के वार्षिक पाठ का 39वां वर्ष है।

पुणे में लोगों ने शनिवार को घरों और मंडलों में 'प्रतिष्ठापना पूजा' के साथ गणपति बप्पा का स्वागत किया।

रेड्डी ने तेलंगाना में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया, केंद्रीय मदद का भरोसा दिलाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। भाजपा की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष एवं केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी ने रविवार को राज्य के खम्मम जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया और लोगों को भरोसा दिलाया कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार प्रभावित लोगों की हरसंभव मदद करेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र ने तेलंगाना सरकार से कहा है कि वह सबसे पहले राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) में उपलब्ध 1,345 करोड़ रुपए का इस्तेमाल बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद के लिए करे।

रेड्डी ने कहा कि यह राशि भारत सरकार की अग्रिम रकम के रूप में राज्य के पास उपलब्ध है। उन्होंने रविवार को खम्मम जिले में बाढ़ प्रभावित मुनेरु का दौरा करने के बाद कहा, भारी बारिश और बाढ़ से मची तबाही के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से बात की। प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे (रेवंत रेड्डी) एसडीआरएफ में अग्रिम राशि के रूप में उपलब्ध 1,345 करोड़ रुपए का उपयोग करने को कहा। बाढ़ राहत पर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए।

तेलंगाना में हाल में हुई भारी बारिश और बाढ़ में 29 लोगों की जान चली गई। राज्य सरकार ने प्रदेश में हाल में हुई भारी बारिश और बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने और 2,000 करोड़ रुपए की तत्काल सहायता जारी करने का केंद्र से आग्रह किया है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, बारिश और बाढ़ के कारण 5,438 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। खम्मम के धमसालपुरम और थिरुमालापलेम के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के बाद रेड्डी ने कहा कि उन्होंने विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित लोगों से बातचीत की और बाढ़ राहत और पुनर्वास प्रयासों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मुझे यह भी पता चला कि पीड़ितों को राज्य सरकार से पर्याप्त सहायता नहीं मिल रही है।

खम्मम में अभूतपूर्व बाढ़ आई, जिससे काफी संख्या में लोग बेघर हो गए। केंद्रीय मंत्री ने भरोसा दिलाया कि राज्य और केंद्र सरकारें पीड़ितों के साथ खड़ी रहेंगी और उन्हें हरसंभव सहायता प्रदान करेंगी। रेड्डी ने भविष्य में बाढ़ की रोकथाम के लिए आसपास के क्षेत्र में मुनेरू नदी के किनारे एक प्रतिरोधी तटबंध बनाने का भी वादा किया।

कोविड महामारी के दौरान शिक्षा के प्रौद्योगिकी आधारित होने के अनपेक्षित और अवांछित परिणाम : यूनेस्को की रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। कोविड-19 महामारी ने पढ़ाई को विद्यालयों से शैक्षिक प्रौद्योगिकियों की ओर ऐसी गति और पैमाने पर धकेल दिया, जिसकी कोई ऐतिहासिक मिसाल नहीं है। इसकी वजह से कई अनपेक्षित और अवांछनीय परिणाम सामने आए हैं। यूनेस्को की शिक्षा टीम ने यह बात अपनी रिपोर्ट में कही है। यूनेस्को की टीम ने 'एन-एडटेक ट्रेजेडी' नाम से तैयार इस रिपोर्ट को एक पुस्तक के रूप में भी प्रकाशित किया है। इसमें पढ़ाई के तौर तरीके प्रौद्योगिकी आधारित होने के अनेक प्रतिकूल और अनपेक्षित परिणामों का विश्लेषण किया गया है। इसमें बताया गया है कि किस प्रकार प्रौद्योगिकी-प्रधान समाधानों ने वैश्विक स्तर पर अधिकांश विद्यार्थियों को पीछे छोड़ दिया तथा उन अनेक तरीकों का विवरण दिया गया है जिनसे शिक्षा में गिरावट आई, जबकि प्रौद्योगिकी उपलब्ध थी और अपेक्षित रूप से काम कर रही थी।

इसमें कहा गया है कि आशंका है कि स्कूली शिक्षा से वंचित होने का असर कई वर्षों तक रहेगा, व्यक्तिगत रूप से व्यक्तियों के लिए तथा देशों, क्षेत्रों और स्थानीय समुदायों के स्तर पर भी। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की शिक्षा टीम के विशेषज्ञों ने बताया कि रिपोर्ट में सबक और सिफारिशें दी गई हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रौद्योगिकी समावेशी, न्यायसंगत और मानव-केंद्रित सार्वजनिक शिक्षा के सार्वभौमिक प्रावधान को सुनिश्चित करने के प्रयासों को बाधित करने के बजाय उन्हें सुगम बनाए।

छत्तीसगढ़ में नाचने को लेकर हुई झड़प में तीन लोगों की मौत एवं एक घायल, 15 गिरफ्तार

दुर्ग/भाषा। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में गणेश पूजा पंडाल में डीजे संगीत पर नाचने को लेकर दो समूहों के बीच झड़प में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। दुर्ग के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि जिले के नंदिनी थाना क्षेत्र के शीतला मंदिर इलाके में शनिवार रात को हुई इस घटना के सिलसिले में अब तक 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को शीतला मंदिर गणेश समिति के पंडाल में डीजे संगीत पर नाच रहे तीन लोग और उनके अन्य दोस्त, एक व्यक्ति और उसके दोस्तों से भिड़ गए। उन्होंने बताया कि इसके बाद कुछ स्थानीय लोगों ने उन्हें शांत कराया। अधिकारी ने बताया कि शनिवार रात को दोनों समूहों के बीच फिर से झड़प हो गई। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों के युवकों ने एक-दूसरे पर लाठी और धारदार हथियारों से हमला कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप एक समूह के तीन लोगों की मौत हो गई जबकि प्रतिद्वंद्वी खेमे का एक व्यक्ति घायल हो गया।

छत्तीसगढ़ में आकाशीय बिजली गिरने से सात लोगों की मौत, तीन लोग घायल

बलौदाबाजार/भाषा। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार-भाटपारा जिले में रविवार को आकाशीय बिजली गिरने से सात लोगों की मौत हो गई और तीन लोग घायल हो गए। जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि घटना आज शाम मोहतारा गांव में उस समय घटी जब ये लोग खेत में काम कर रहे थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार ये लोग भारी बारिश के बीच खेत के पास तालाब के किनारे खड़े थे तभी आकाशीय बिजली गिरी। मृतकों की पहचान मुकेश (20), टंकार साहू (30), संतोष साहू (40), थानेश्वर साहू (18), पोखराज विश्वकर्मा (38), देव दास (22) और विजय साहू (23) के रूप में हुई है।

फडणवीस कभी नहीं जान पाएंगे कि शरद पवार के दिमाग में क्या चल रहा है : राउत

मुंबई/भाषा। शिवसेना (यूबीटी) नेता और राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने रविवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर फडणवीस 100 बार भी जन्म ले लें तो भी वह यह नहीं समझ पाएंगे कि राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार के दिमाग में क्या चल रहा है।

राउत की इस टिप्पणी के कुछ दिन पहले फडणवीस ने दावा किया था कि शरद पवार ने राज्य विधानसभा चुनावों से पहले मुख्यमंत्री पद के लिए तीन से चार नामों को चुना था, लेकिन उद्धव ठाकरे उनमें शामिल नहीं थे। यहां पत्रकारों से बातचीत में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता राउत ने कहा, क्या 2019 में फडणवीस को पता था कि शरद पवार क्या सोच रहे थे और क्या योजना बना रहे थे?

फडणवीस 100 बार जन्म ले लें, तो भी वह यह नहीं समझ पाएंगे कि शरद पवार के दिमाग में क्या चल रहा है। अगर राज्य में सत्तारूढ़ सरकार में थोड़ी भी हिम्मत बची है, तो उन्हें चुनाव का आह्वान करना चाहिए। राउत ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल में राजनीतिक दलों और इन दलों का नेतृत्व करने वाले परिवारों के बीच विभाजन की साजिश रची। यह आरोप महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के हाल के बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि समाज उन लोगों से नफरत करता है जो अपने परिवार तोड़ते हैं। अजित पवार ने यह बयान गढ़चिरौली में एक रैली के दौरान दिया, जहां उन्होंने पार्टी नेता और राज्य मंत्री धर्मराव बाबा आत्राम की बेटी भाग्यश्री को शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) में शामिल होने से हतोत्साहित करने की कोशिश की।

समान विचारधारा वाले देश भारत को चिप विनिर्माण केंद्र बनाने के लिए कर रहे सहयोग : कृष्णन

नई दिल्ली/भाषा। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्रालय के सचिव एस कृष्णन ने रविवार को कहा कि मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति के कारण समान विचारधारा वाले देश भारत को एक प्रमुख सेमीकंडक्टर विनिर्माण गंतव्य बनाने के लिए उसके साथ सहयोग कर रहे हैं।

कृष्णन ने पीटीआई-भाषा के साथ विशेष बातचीत में कहा कि अमेरिकी स्टोरेज सेमीकंडक्टर निर्माता माइक्रोन और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की प्रायोगिक सुविधाओं ने पहले ही चिप तैयार कर लिए हैं, और गुजरात में उनके मुख्य संयंत्र 2025 की दूसरी तिमाही से भारत में निर्मित चिप का उत्पादन शुरू कर देंगे। कृष्णन ने कहा, वैश्विक स्तर पर, और भू-राजनीतिक परिस्थितियों के कारण यह अहसास बढ़ रहा है कि सेमीकंडक्टर एक बहुत ही महत्वपूर्ण और रणनीतिक वस्तु है, और इसलिए हमें सेमीकंडक्टर के उत्पादन में पर्याप्त मजबूती की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के दौरान सेमीकंडक्टरों में मजबूती के महत्व को रेखांकित किया गया था, जब कई उद्योगों- वाहन उद्योग, चिकित्सा उपकरण उद्योग और अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग को नुकसान उठाना पड़ा, क्योंकि उनके पास चिप तक पहुंच नहीं थी, जिसके कारण यह विश्वास पैदा हुआ कि विशेष रूप से सेमीकंडक्टरों की सोर्सिंग के लिए अधिक विविधीकरण होना चाहिए। उन्होंने कहा, कई समान विचारधारा वाले देश भारत के साथ मिलकर काम कर रहे हैं ताकि भारत को अगले प्रमुख गंतव्य के रूप में विकसित किया जा सके, जहां सेमीकंडक्टर विनिर्माण वास्तव में हो सकता है। यह मूल रूप से वैश्विक सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला में मजबूती बनाने के लिए है। हमारा अमेरिका, यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, जापान और अब सिंगापुर के साथ भी समझौता है।

गुजरात: कच्छ में अज्ञात बुखार से 12 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुज/भाषा। गुजरात के कच्छ जिले के लखपत तालुका में भारी बारिश के कारण 12 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 12 वर्ष से कम उम्र के चार बच्चे भी शामिल हैं। अधिकारियों ने रविवार को कहा कि मौत का कारण प्राथमिक रूप से न्यूमोनाइटिस प्रतीत होता है।

कुछ स्थानीय जिला पंचायत सदस्यों ने हालांकि कहा कि डॉक्टर बुखार का सही निदान नहीं कर पाए हैं, जिससे सांस लेने में भी कठिनाई हो रही है।

कच्छ के कलेक्टर अमित अरोड़ा ने कहा कि पाकिस्तान की सीमा के निकट स्थित इस तालुका में चिकित्सा सेवाएं बढ़ा दी गई हैं। यहां 22 निगरानी दल और डॉक्टर तैनात किए गए हैं तथा एच1एन1, स्वाइन फ्लू, क्रीमियन-कांगो बुखार, मलेरिया और डेंगू के प्रसार की आशंका के निवारण के लिए निवासियों से नमूने लिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, प्राथमिक तौर पर, ऐसा लगता है कि मौत न्यूमोनाइटिस के कारण हुई हैं।

जनता के आशीर्वाद से हर लड़ाई जीतेंगे: विनेश फोगाट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पहलवान और कांग्रेस उम्मीदवार विनेश फोगाट ने आगामी हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए अपने प्रचार अभियान की शुरुआत करते हुए रविवार को कहा कि उन्हें लोगों के आशीर्वाद से हर लड़ाई जीतने की उम्मीद है। फोगाट (30) को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए जुलाना विधानसभा क्षेत्र से मैदान में उतारा गया है।

हरियाणा में 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान पांच अक्टूबर को होगा जबकि मतगणना आठ अक्टूबर को होगी। जुलाना पहुंचने पर फोगाट का गर्मजोशी से स्वागत किया गया तथा बुजुर्गों, महिलाओं और विभिन्न खापों के सदस्यों समेत उनके समर्थकों ने उनका माला पहनाकर स्वागत किया तथा आशीर्वाद दिया। कांग्रेस ने शुक्रवार को हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए 32 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की थी, जिसमें उनका नाम भी पार्टी उम्मीदवारों में शामिल था। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख एवं भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों के विरोध में सबसे आगे रहने वाले ओलंपियन पहलवान बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट ने शुक्रवार को कांग्रेस में शामिल होकर अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत की थी।

एक कार के ऊपर खड़ी फोगाट ने लोगों का आशीर्वाद लिया। लोग उनकी एक झलक पाने के लिए उनके वाहन के चारों ओर खड़े थे। ढोल की थाप के बीच उनके समर्थकों ने 'विनेश फोगाट जिंदाबाद' के नारे लगाए। बृजभूषण शरण सिंह पर एक सवाल का जवाब देते हुए फोगाट ने कहा, बृजभूषण देश नहीं हैं। मेरा देश मेरे साथ खड़ा है। मेरे प्रियजन मेरे साथ खड़े हैं और वे मेरे लिए मायने रखते हैं। बृजभूषण ने शनिवार को आरोप लगाया था कि कांग्रेस ने डब्ल्यूएफआई पर नियंत्रण और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमले की अपनी साजिश में पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया को मोहरे के तौर पर इस्तेमाल किया।

एनसीएपी के तहत 21 शहरों ने पीएम10 प्रदूषण में करीब 40 प्रतिशत की कमी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत शामिल 131 शहरों में से 95 शहरों में वायु गुणवत्ता में सुधार हुआ है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों से पता चलता है कि 21 शहरों में पीएम10 प्रदूषण में 2017-18 के स्तर की तुलना में 40 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है।

सीपीसीबी ने यह भी कहा कि एनसीएपी के 131 शहरों में से केवल 18 ने पीएम10 के लिए राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों (एनएएक्यूएस) का पालन किया, जो 60 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर निर्धारित है। जिन 21 शहरों ने पीएम10 प्रदूषण में 40 प्रतिशत से अधिक की कमी हासिल की, वे हैं वाराणसी, धनबाद, बर्नीहाट, बरेली, फिरोजाबाद, देहरादून, तूतीकोरिन, नालागढ़, मुरादाबाद, खुर्जा, त्रिची, कोहिमा, लखनऊ, कानपुर, कडपा, शिवसागर, सुंदर नगर, आगरा, ग्रेटर मुंबई, ऋषिकेश और परवाणू। आंकड़ों के मुताबिक खन्ना, दुर्गापुर, कुरनूल, डेरा बाबा नानक, वडोदरा, इलाहाबाद, आसनसोल, हैदराबाद, गोरखपुर, रांची, बेंगलूरु, अकोला, अनंतपुर, दुर्ग भिलाईनगर, सूरत और नोएडा में इसी अवधि के दौरान पीएम10 के स्तर में 20-30 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

वहीं, 21 शहरों दिल्ली, हावड़ा, ठाणे, लातूर, नेल्लोर, गजरौला, अलवर, चित्तूर, काला अंब, मंडी गोबिंदगढ़, अमरावती, पटियाला, जयपुर, ओंगोल, चंद्रपुर, नासिक, झांसी, सांगली, कोटा, दावणगेरे और राजमुंदरी में पीएम 10 प्रदूषण में 10-20 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। भारत ने 2019 में एनसीएपी की शुरुआत की थी, जिसका लक्ष्य 2017 को आधार वर्ष मानकर 2024 तक अति सूक्ष्म कण पीएम10 से होने वाले प्रदूषण में 20-30 प्रतिशत की कमी लाना था। बाद में लक्ष्य को संशोधित कर 2019-20 को आधार वर्ष मानकर 2026 तक 40 प्रतिशत की कमी करना था। व्यवहार में, प्रदर्शन मूल्यांकन के लिए केवल पीएम10 प्रदूषण पर विचार किया जा रहा है। शनिवार को सूरत को वायु गुणवत्ता सुधार के लिए भारत में शीर्ष प्रमुख शहर के रूप में स्थान मिला, जिसके बाद जबलपुर और आगरा का स्थान रहा। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने जयपुर में 'साफ नीले आसमान के लिए अंतरराष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस' के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में पुरस्कार प्रदान किए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध
FLATS FOR SALE
PURVA BLUBELLE
Adjacent to **Magadi road Metro station**
Rajajinagar Centre of the City
3 bedroom & Exclusive 5 bedroom Flats + servant room with all luxurious Amenities,
Contact : 9844027560

कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की स्थिति में कांग्रेस नेता दावेदारी पेश करने की कर रहे तैयारी

कर्नाटक उच्च न्यायालय सोमवार को सिद्दरामय्या की याचिका पर सुनवाई फिर से शुरू करेगा, जिसमें मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण भूखंड आवंटन मामले में उनके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए राज्यपाल थावरचंद गहलोत की मंजूरी की वैधता को चुनौती दी गई है। राज्यपाल ने 16 अगस्त को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 के तहत प्रदीप कुमार एसपी, टीजे अब्राहम और स्नेहमयी कृष्णा की याचिकाओं में उल्लिखित कथित अपराधों में अभियोग चलाने की मंजूरी प्रदान की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भूमि आवंटन मामले में अभियोग शुरू करने के लिए राज्यपाल द्वारा दी गई मंजूरी को चुनौती देने वाली कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की याचिका पर उच्च न्यायालय में सुनवाई होने के मद्देनजर कुछ कांग्रेसी नेता नेतृत्व परिवर्तन की स्थिति में शीर्ष पद के लिए अपनी दावेदारी प्रस्तुत करने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, सभी कांग्रेस नेताओं और मंत्रियों का कहना है कि सिद्दरामय्या अपने पद पर बने रहेंगे। दो वरिष्ठ मंत्रियों एमबी पाटिल और शिवानंद पाटिल के बीच मुख्यमंत्री बनने के लिए वरिष्ठता के पैमाने को लेकर एक तरह की जुबानी जंग छिड़ गई है।

एमबी पाटिल ने कहा, मुझसे वरिष्ठ लोग हैं, लेकिन वरिष्ठता ही एकमात्र पैमाना नहीं है। अभी मुख्यमंत्री बदलने का सवाल ही नहीं है, सिद्दरामय्या मुख्यमंत्री हैं और भविष्य में भी बने रहेंगे, इसलिए मुख्यमंत्री बदलने की बात अप्रासंगिक है।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''लेकिन, मुख्यमंत्री बनने में वरिष्ठता या कनिष्ठता कोई बड़ा (मापदंड) मुद्दा नहीं है। मैं कांग्रेस में भी वरिष्ठ हूं, मैं 1991 से पहले से कांग्रेस पार्टी में हूं, अब लगभग 35 साल हो गए हैं। इसलिए, मैं भी वरिष्ठ हूं, लेकिन वरिष्ठता ही एकमात्र पैमाना नहीं है।''

एमबी पाटिल ने कहा, ''एक न एक दिन मैं मुख्यमंत्री बनूंगा, मेरी इच्छा है, लेकिन लोभ नहीं। शिवन्ना पाटिल के तर्क के अनुसार, अगर वरिष्ठता पर विचार करना है, जैसा उन्होंने कहा है कि मुझे इंतजार करना होगा,तो चलो इस पर सहमत हो जाते हैं। लेकिन, वह हाल ही में जनता दल, भाजपा छोड़कर पार्टी में आए हैं, वह कतार में नहीं हैं। विजयपुरा जिले से, अगर किसी को मुख्यमंत्री बनना है, तो वह मैं हूं, कोई और नहीं।'' उन्होंने शिवानंद पाटिल के बयान को 'निजी राय' बताकर खारिज कर दिया। इससे पहले शिवानंद पाटिल ने कहा कि उनकी मुख्यमंत्री बनने की कोई इच्छा नहीं है, लेकिन जब उनसे पूछा गया कि क्या वह एम. बी. पाटिल का समर्थन करेंगे, तो उन्होंने कहा कि पार्टी में उनसे वरिष्ठ कई लोग हैं।

शिवानंद पाटिल ने कहा, ''ऐसे कई लोग हैं, जो उनसे (एमबी पाटिल) वरिष्ठ हैं। क्या कोई वरिष्ठ नहीं है? उन्हें इंतजार करना होगा, जब वरिष्ठ हैं, तो क्या आपको इंतजार नहीं करना चाहिए?'' एक बार फिर खुद को मुख्यमंत्री पद की दौड़ से बाहर बताते हुए शिवानंद पाटिल ने रविवार को विजयपुरा में कहा, ''मैंने सिर्फ इतना कहा है कि अगर वरिष्ठ नेता, जिन्होंने पार्टी के लिए काम किया है, इसे खड़ा किया है और इसका इंतजार कर रहे हैं, मुख्यमंत्री बनते हैं, तो मुझे खुशी होगी, इसके अलावा कुछ नहीं।?

एमबी पाटिल के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवानंद पाटिल ने कहा, ''मैं यह भी जानता हूं कि वरिष्ठता ही एकमात्र पैमाना नहीं है, लेकिन अनेक लोगों ने पार्टी के लिए कई तरह से काम किया है, वे पार्टी अध्यक्ष बने और पार्टी का निर्माण किया तथा उसे सत्ता में आने में मदद की, उनकी इच्छा मुख्यमंत्री बनने की थी, लेकिन कोई और बन गया, पार्टी में ऐसे कई वरिष्ठ लोग हैं। उन्हें (मुख्यमंत्री) बनना चाहिए, हम कनिष्ठों को इसकी कामना करनी चाहिए।''

जब रेखांकित किया गया कि सिद्दरामय्या भी उनकी तरह एक अन्य पार्टी (जनता दल सेक्युलर) से कांग्रेस में आए थे, तो शिवानंद पाटिल ने कहा कि ऐसा लगता है कि एमबी पाटिल यह बात भूल गए हैं। हालांकि, नेतृत्व में किसी भी बदलाव की स्थिति में उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार को इस पद के लिए प्रमुख दावेदार के रूप में देखा जा रहा है, लेकिन गृहमंत्री जी. परमेश्वर और लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली जैसे वरिष्ठ मंत्रियों के नाम भी चर्चा में हैं, खासकर नयी दिल्ली में पार्टी नेतृत्व के साथ उनकी हाल की बैठक के बाद।

कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक और प्रशासनिक सुधार आयोग के अध्यक्ष आर.वी. देशपांडे ने भी हाल ही में मुख्यमंत्री बनने की इच्छा व्यक्त की थी। देशपांडे की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सिद्दरामय्या ने पिछले सप्ताह कहा था, ''मुख्यमंत्री कौन बनाता है। विधायक और आलाकमान फैसला करेंगे....।'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और सांसद जगदीश शेट्टार ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि ''मुख्यमंत्री बनने के लिए पार्टी के भीतर 'अंदरूनी लड़ाई' छिड़ गई है और आने वाले दिनों में इसके और तेज होने की संभावना है, भले ही सत्तारूढ़ पार्टी में हर कोई बाहरी दुनिया को बता रहा है'' कि वे सभी सिद्दरामय्या के साथ खड़े हैं।

शेट्टार ने कहा, ''आरवी देशपांडे ने इसकी शुरुआत की, फिर एमबी पाटिल, परमेश्वर, सतीश जारकीहोली, कतार लंबी है, और डीके शिवकुमार को लगता है कि वह वैध दावेदार हैं और आंतरिक रूप से सभी प्रयास कर रहे हैं। कांग्रेस सरकार को अपने अंतर्कलह की वजह से परेशानी का सामना करना पड़ेगा।''

कर्नाटक उच्च न्यायालय सोमवार को सिद्दरामय्या की याचिका पर सुनवाई फिर से शुरू करेगा, जिसमें मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण भूखंड आवंटन मामले में उनके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए राज्यपाल थावरचंद गहलोत की मंजूरी की वैधता को चुनौती दी गई है।

राज्यपाल ने 16 अगस्त को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 के तहत प्रदीप कुमार एसपी, टीजे अब्राहम और स्नेहमयी कृष्णा की याचिकाओं में उल्लिखित कथित अपराधों में अभियोग चलाने की मंजूरी प्रदान की।

कर्नाटक राज्य कुवेम्पु, अंबेडकर, बसवन्ना के मानवीय मूल्यों का घर : सिद्दरामय्या

बेसिलिका चर्च के पुनरुद्धार के लिए पांच करोड़ रुपए की घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कर्नाटक राज्य को कुवेम्पु, अंबेडकर और बसवन्ना के मानवीय मूल्यों का घर बताया। उन्होंने शिवाजीनगर के ऐतिहासिक बेसिलिका चर्च में आयोजित सेंट मैरी अम्मा के जन्मदिन समारोह का उद्घाटन करते हुए यह बात कही। सज्जनों की मानवीय आकांक्षाएँ पाखंडियों के घृणित षडयंत्र का शिकार न बनें। उन्होंने आह्वान किया कि हम सभी को आपसी सह-अस्तित्व और मित्रता के बंधन को मजबूत करना चाहिए।

शिवाजीनगर का बेसिलिका मंदिर ऐतिहासिक रूप से एक मैत्रीपूर्ण मंदिर है। उन्होंने कहा कि इस मंदिर में सभी जाति और सभी धर्म के लोगों का आना-जाना लगा रहता है, जो इस मंदिर की मैत्रीपूर्ण विरासत का प्रमाण है। स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में ईसाई शिक्षकों एवं संस्थाओं के योगदान की सभी सराहना करते हैं।

उनकी इच्छा थी कि उनका यह सामाजिक कार्य सभी के लिए एक मिसाल बने। इसी मौके पर उन्होंने आश्वासन दिया कि बेसिलिका चर्च के पुनरुद्धार के लिए पांच करोड़ रुपये दिये जायेंगे। इस मौके पर विधायक रिजवान अरशद की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता आर्चबिशप डॉ. पीटर मचाडो ने की। मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव गोविंदराजू मुख्य अतिथि थे।

कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन के बीच डीके शिवकुमार ने अमेरिका यात्रा को निजी बताया

राहुल गांधी भी इन दिनों अमेरिका यात्रा पर हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने अमेरिका में कुछ शीर्ष नेताओं से मुलाकात करने के लिए वहां जाने की खबरों को खारिज करते हुए रविवार को स्पष्ट किया कि यह परिवार के साथ पूरी तरह से निजी यात्रा है। उपमुख्यमंत्री ने मीडिया को एक पत्र भी जारी किया है, जो उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अमेरिका की अपनी यात्रा के संबंध में लिखा है।

शिवकुमार ने मीडिया को जारी बयान में स्पष्ट किया, ''मैं अपने परिवार के साथ (आज से) 15 सितंबर तक अमेरिका की यात्रा पर जा रहा हूं। मीडिया की खबरें गलत हैं कि मैं अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और मौजूदा उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से मिलने जा रहा हूं। यह एक निजी यात्रा है।'' अमेरिका में इस साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में कमला हैरिस डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार हैं।

शिवकुमार ने खरगे को लिखे पत्र में कहा, ''जैसा कि मैंने आपको पहले ही सूचित कर दिया है, मैं आठ सितंबर की शाम को एक निजी यात्रा पर वाशिंगटन जाऊंगा और 16 सितंबर को वापस आऊंगा।''

इससे पहले, ''शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि वह निजी यात्रा पर एक सप्ताह के लिए विदेश में रहेंगे। अमेरिका की अपनी यात्रा के एजेंडे और क्या वह वहां किसी बड़ी हस्ती से मिलेंगे, इस बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, यह एक निजी पारिवारिक यात्रा है....(किसी से मिलने नहीं) मैं निजी तौर पर जा रहा हूं।'' आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि शिवकुमार ने दिन में मुख्यमंत्री सिद्दरामैया से उनके आवास पर मुलाकात की।

काफी समय से खींचतान

इस यात्रा की खबरों के साथ कर्नाटक में 'नेतृत्व परिवर्तन' की अटकलों को भी बल मिला है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के समर्थक धड़ों के बीच काफी समय से खींचतान चल रही है। हाल में कई नेताओं और संतों ने भी शिवकुमार के पक्ष में बयान देकर उन्हें मुख्यमंत्री बनाने की मांग की थी।

दोनों नेता गए अमेरिका!

राहुल गांधी रविवार को तीन दिवसीय यात्रा के लिए टेक्सास हवाईअड्डा पहुंचे तो वहां ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं तथा प्रवासी भारतीयों ने उनका स्वागत किया।

डीके शिवकुमार की अमेरिका यात्रा से एक ओर जहां ऐसे कयास लगाए जाने लगे कि वे ओबामा और कमला हैरिस से मुलाकात करेंगे, वहीं ऐसी अटकलें भी जोर पकड़ने लगीं कि उनके और राहुल गांधी के बीच कर्नाटक में 'नेतृत्व परिवर्तन' को लेकर बातचीत हो सकती है। हालांकि उपमुख्यमंत्री ने अमेरिका के शीर्ष नेताओं से उनके देश में मुलाकात की खबरों का खंडन करते हुए स्पष्ट किया कि वहां किसी से मुलाकात नहीं करेंगे।

कई 'दावेदार' हो रहे तैयार

बता दें कि भूमि आवंटन मामले में सिद्दरामय्या का नाम आने और मामला उच्च न्यायालय तक पहुंचने के बाद कर्नाटक कांग्रेस में कुछ नेता खुद को मुख्यमंत्री पद के दावेदार के तौर पर पेश करने की तैयारी में हैं। दूसरी ओर, पार्टी के कई नेता सिद्दरामय्या के ही मुख्यमंत्री रहने को लेकर भरोसा जता रहे हैं। ऐसे में देखना यह होगा कि शिवकुमार की अमेरिका यात्रा के बाद कर्नाटक में सियासत का ऊंट किस करवट बैठता है!

एयर फोर्स टेक्निकल कॉलेज में तकनीकी अधिकारियों की पासिंग आउट परेड हुई

एयर मार्शल सीआर मोहन ने परेड का निरीक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। एयर ऑफिसर इन्चार्ज मैंटिनेंस (एओएम) एयर मार्शल सीआर मोहन ने शनिवार को एयर फोर्स टेक्निकल कॉलेज (एएफटीसी) में 103 एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग कोर्स (एईसी) के अधिकारियों की पासिंग-आउट परेड का निरीक्षण किया। परेड के साथ 62 सप्ताह का कठोर प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा हो गया, जिसमें 15 महिला अधिकारियों और मित्र देशों के 10 अधिकारियों सहित 60 से ज्यादा इंजीनियरिंग अधिकारियों ने कॉलेज से स्नातक की उपाधि हासिल की है।

एयर मार्शल सीआर मोहन, जो कॉलेज के कमोडोर कमांडेंट भी हैं, का स्वागत एएफटीसी के कमांडेंट एयर कमोडोर आशुतोष श्रीवास्तव ने किया। योग्यता क्रम में पहले स्थान के लिए प्रतिष्ठित 'स्वॉर्ड ऑफ ऑनर' फ्लाइंग ऑफिसर अर्पित तिवारी को दिया गया। प्रोफेशनल विषयों में सर्वश्रेष्ठ अधिकारी के लिए 'राष्ट्रपति पट्टिका' फ्लाइंग ऑफिसर पी दिव्या भारती को दी गई।

इलेक्ट्रॉनिक्स और मैकेनिकल स्ट्रीम में योग्यता क्रम में पहला स्थान पाने पर 'चीफ ऑफ एयर स्टाफ मेडल' क्रमशः फ्लाइंग ऑफिसर श्रेया हेमंत सेल और फ्लाइंग ऑफिसर शिवी सिंह को दिए गए।

स्नातक अधिकारियों को बधाई देते हुए एयर मार्शल ने विमान और अन्य हथियार प्रणालियों की निर्बाध उपलब्धता के लिए इंजीनियरिंग अधिकारियों की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे कार्य और जीवन में संतुलन बनाए रखते हुए पेशेवर चुनौतियों का सामना करने के लिए अपने ज्ञान और कौशल को लगातार बढ़ाते रहें।

संसेरा इंजीनियरिंग ने डायनामैटिक टेक्नोलॉजीज के साथ एमओयू किया

एयरबस ए220 डोर प्रोग्राम के लिए स्ट्रक्चरल भागों की होगी आपूर्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अग्रणी इंजीनियरिंग कंपनी संसेरा इंजीनियरिंग ने एयरबस ए220 डोर प्रोग्राम के लिए जटिल स्ट्रक्चरल भागों की आपूर्ति के वास्ते डायनामैटिक टेक्नोलॉजीज के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह रणनीतिक साझेदारी दोनों कंपनियों के लिए एक उल्लेखनीय मुकाम है, जो वैश्विक एयरोस्पेस आपूर्ति चेन में उनकी स्थिति को मजबूत करेगी। बता दें कि डायनामैटिक टेक्नोलॉजीज मशहूर एयरोस्पेस इंजीनियरिंग फर्म है। इसने जटिल कंपोनेंट्स के विनिर्माण के लिए संसेरा इंजीनियरिंग को लंबी अवधि का कॉन्ट्रैक्ट दिया है।

यह कॉन्ट्रैक्ट डायनामैटिक टेक्नोलॉजीज के उस विश्वास को रेखांकित करता है, जो उसे एयरोस्पेस इंडस्ट्री की जरूरतें पूरी करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले प्रॉडक्ट उपलब्ध कराने में संसेरा इंजीनियरिंग की क्षमताओं और विशेषज्ञता पर है।

सुरक्षित और आरामदेह होगी उड़ान

संसेरा इंजीनियरिंग अपनी अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधाओं और कुशल कार्यबल का लाभ उठाकर सटीक इंजीनियरिंग वाले घटकों का उत्पादन करेगी, जो एयरबस ए220 विमान के दरवाजों के लिए महत्त्वपूर्ण होते हैं। ये विमान की समग्र संरचनात्मक इंटेग्रिटी और कार्यक्षमता में योगदान देंगे, जिससे यात्रियों के लिए सुरक्षित और आरामदेह उड़ान सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

गुणवत्ता पर जोर

गौरतलब है कि एयरबस ए220 दुनियाभर की एयरलाइनों के बीच एक लोकप्रिय विकल्प है। इसे अपनी ईंधन दक्षता, प्रदर्शन और यात्रियों के लिए आरामदेह होने की वजह से जाना जाता है। संसेरा इंजीनियरिंग द्वारा निर्मित घटक ए220 से जुड़े गुणवत्ता और विश्वसनीयता के ऊंचे मानकों को बनाए रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

देश की क्षमता का प्रदर्शन

संसेरा इंजीनियरिंग और डायनामैटिक टेक्नोलॉजीज के बीच यह सहयोग न केवल उनकी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करता है, बल्कि वैश्विक एयरोस्पेस आपूर्ति चेन में भारतीय निर्माताओं के बढ़ते महत्त्व को भी जाहिर करता है। यह विश्व स्तरीय एयरोस्पेस घटकों का उत्पादन करने और प्रमुख अंतरराष्ट्रीय विमान कार्यक्रमों की सफलता में योगदान देने की देश की क्षमता को भी प्रदर्शित करता है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गणेश उत्सव, समारोहों में शामिल हुए नेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/हैदराबाद/बेंगलूरु। दक्षिण भारत में शनिवार को पूरे हर्षोल्लास के साथ गणेश चतुर्थी मनाई गई और तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी समेत प्रमुख नेता अपने-अपने राज्यों में उत्सव में शामिल हुए। इस दौरान लोगों में खासा उत्साह देखा गया और बड़ी संख्या में लोग पूजा-अर्चना के लिए मंदिरों में उमड़े। इस अवसर पर चेन्नई और हैदराबाद समेत विभिन्न शहरों में भगवान गणेश की बड़ी मूर्तियां स्थापित की गईं।

कर्नाटक में गणेश चतुर्थी को स्थापित हुई कई प्रतिमाएं रविवार को विसर्जित की गईं। चिकपेट क्षेत्र में रविवार को बीवीके अय्यंगार रोड से विशाल विसर्जन यात्रा निकाली गई। जिसमें क्षेत्र के पूर्व पार्षद शिवकुमार के नेतृत्व में शोभायात्रा निकाली गई।

तमिलनाडु के शिवगंगा में पिल्लयारपट्टी तथा तिरुचिरापल्ली में मलाइकोट्टई, और पड़ोसी पुदुचेरी में मनकुला विनायकर मंदिर समेत विभिन्न प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालु एकत्र हुए। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेड्डी ने हैदराबाद के खैरताबाद में गणेश पूजा में हिस्सा लिया। जनता दल (एस) के नेता और केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने बेंगलूरु में प्रार्थना की। केरल के कुछ मंदिरों में भी उत्सव मनाया गया।

तमिलनाडु में, तिरुचिरापल्ली में एक पहाड़ी के ऊपर स्थित प्रसिद्ध गणेश मंदिर (मलाईकोट्टई उच्छी पिल्लयार) को उत्सव के लिए सजाया गया था। परंपरा के अनुरूप भगवान गणेश के लिए चावल के आटे, गुड़ और नारियल से बनी एक विशाल कोझुकट्टई मिठाई बनाई गई थीं। इसे एक बड़े बर्तन में पैक करके एक सजे-धजे बांस के खंभे से लटका दिया गया था। इसके बाद लोग इसे भगवान गणेश को अर्पित करने के लिए पहाड़ी मंदिर तक ले गए। इस दौरान पारंपरिक संगीत बजाया गया और एक पुजारी ने भगवान को 100 किलोग्राम से अधिक वजन वाली विशाल मिठाई अर्पित करने के लिए शोभायात्रा का नेतृत्व किया। इसी तरह, प्राचीन पिल्लयारपट्टी मंदिर में आध्यात्मिक उत्साह के साथ त्योहार मनाया गया तथा श्रद्धालु दर्शन के लिए मंदिर परिसर में कतार में खड़े दिखे।

घरों में भगवान गणेश की मिट्टी की मूर्तियां स्थापित की गईं और पूजा की गई। बाजारों में रौनक रही, लोग पूजा सामग्री, फूल और फल खरीदने के लिए दुकानों व सड़क किनारे लगीं पटरियों पर उमड़ पड़े। पड़ोसी पुडुचेरी में, लोग भगवान गणेशी की पूजा करने के लिए सुबह से ही मनकुला विनायकर मंदिर में उमड़ पड़े। भगवान गणेश की विशेष पूजा और अन्य अनुष्ठान किए गए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री एन. रंगासामी, गृह मंत्री ए. नमस्सिवायम और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने लोगों को बधाई दी।

तेलंगाना में, बड़े पैमाने पर नौ दिवसीय उत्सव शुरू हुआ और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद के खैरताबाद में प्रसिद्ध पंडाल में आयोजित पूजा में भाग लिया। खैरताबाद का प्रसिद्ध पंडाल मूर्ति के विशाल आकार के लिए जाना जाता है। इस साल पूजा के लिए पंडाल में 70 फुट की मूर्ति स्थापित की गई थी, जो उत्सव के दौरान हजारों श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

कन्नड़ अभिनेता दर्शन को जेल की कोठरी में टेलीविजन मिलेगा

बेल्लारी/दक्षिण भारत। जेल में बंद कन्नड़ अभिनेता दर्शन थुगुदीप के अनुरोध पर उनकी कोठरी में टेलीविजन उपलब्ध कराया जाएगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बेंगलूरु पुलिस ने बुधवार को रेणुकास्वामी हत्याकांड में दर्शन सहित 17 आरोपियों के खिलाफ 3,991 पन्नों का आरोप-पत्र दाखिल किया। अभिनेता को 29 अगस्त को बेंगलूरु के परप्पना अग्रहारा केंद्रीय जेल से बेल्लारी स्थानांतरित कर दिया गया था, क्योंकि एक उपद्रवी सहित तीन अन्य लोगों के साथ जेल के लॉन में उनकी एक तस्वीर वायरल हो गई थी, जिससे विवाद पैदा हो गया था।

एक वरिष्ठ जेल अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''उन्होंने (अभिनेता ने) अपने मामले से संबंधित घटनाक्रमों और बाहरी दुनिया में हो रही गतिविधियों से खुद को अवगत रखने के लिए पिछले सप्ताह अपनी कोठरी में टेलीविजन लगाने की मांग की थी।

इसलिए, प्रक्रिया और जेल दिशानिर्देशों के अनुसार, उन्हें संभवतः सोमवार तक अपनी कोठरी में टेलीविजन उपलब्ध करा दिया जाएगा।''

दर्शन के साथ-साथ उनकी दोस्त कन्नड़ अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा और मामले के 15 अन्य आरोपी फिलहाल राज्य की विभिन्न जेलों में न्यायिक हिरासत में हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, अभिनेता के प्रशंसक 33-वर्षीय रेणुकास्वामी ने पवित्रा को अश्लील संदेश भेजे थे, जिससे दर्शन नाराज हो गया और कथित तौर पर उसकी (रेणुकास्वामी की) हत्या कर दी गई।

आरोपियों में से एक राघवेंद्र चित्रदुर्गा में दर्शन के प्रशंसक क्लब का सदस्य था, जिसने रेणुकास्वामी को बेंगलूरु के आरआर नगर में एक शेड में इस बहाने बुलाया था कि अभिनेता दर्शन उससे मिलना चाहते हैं। इसी शेड में उसे कथित तौर पर प्रताड़ित किया गया और उसकी हत्या कर दी गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, चित्रदुर्गा के मूल निवासी रेणुकास्वामी की मौत कई कुंद चोटों के परिणामस्वरूप सदमे और रक्तस्राव के कारण हुई।

पुलिस सूत्रों ने कहा कि आरोपी नंबर एक पवित्रा गौड़ा, रेणुकास्वामी की हत्या की मुख्य वजह थी।

दिल्ली पुलिस भर्ती परीक्षा घोटाले का आरोपी दो वर्ष बाद हरियाणा से गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। कोटा पुलिस ने कथित दिल्ली पुलिस भर्ती परीक्षा घोटाले के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो दो साल से फरार था। यह जानकारी पुलिस के एक अधिकारी ने दी। कोटा पुलिस को आरोपी की जाली दस्तावेजों से जुड़े एक अन्य मामले में भी तलाश थी। कोटा के नगर पुलिस अधीक्षक (एसपी) अमृता दुहन ने बताया कि बिहार के जमुई जिले के निवासी और वर्तमान में दिल्ली के रोहिणी में रह रहे अखिलेश कुमार सिंह (32) को जाली दस्तावेजों के मामले में शनिवार को हरियाणा के जींद जिले से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि अखिलेश दिल्ली पुलिस भर्ती परीक्षा घोटाले के आरोपियों में से एक है।

पुलिस ने बताया कि अखिलेश ने 2020 में एक ऑनलाइन परीक्षा आयोजित करने के लिए कोटा के मेसर्स ओम कोठारी फाउंडेशन के परिसर को किराए पर लिया था। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने हिमांशु राठौर नामक एक स्थानीय व्यक्ति के साथ मिलकर कथित तौर पर संस्थान के एक अधिकारी के जाली हस्ताक्षर करके स्वामित्व के आवश्यक दस्तावेज तैयार किए और इसे दिल्ली पुलिस भर्ती परीक्षा के लिए एक ऑनलाइन परीक्षा केंद्र के रूप में आवंटित करवा लिया।

इस घोटाले का पर्दाफाश 2022 में हुआ था और दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने मामला दर्ज किया था। नगर पुलिस अधीक्षक (एसपी सिटी) ने कहा कि जांच के दौरान पता चला कि कोटा के परीक्षा केंद्र पर कुछ अभ्यर्थियों के कंप्यूटर दिल्ली में गिरोह के सदस्यों से ऑनलाइन जुड़े हुए थे, जो वहीं से पूरा पेपर हल करते थे। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस कथित घोटाले के सिलसिले में पहले ही कई लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ का रविवार को भीलवाड़ा पहुंचने पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान भाजपा सांसद दामोदर अग्रवाल एवं विधायक अशोक कोठरी उपस्थित रहे।

प्रदेश में नए जिलों की समीक्षा हो रही है, कुछ जिले तो हटेंगे : मदन राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भीलवाड़ा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ रविवार सुबह रेल मार्ग से भीलवाड़ा पहुंचे। उन्होंने जैन मुनि रामलाल महाराज के दर्शन किए। इसके बाद वे उदयपुर के लिए रवाना हो गए। भीलवाड़ा आगमन पर सांसद दामोदर अग्रवाल और भाजपा जिला पदाधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। पत्रकारों से बातचीत के दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि वर्तमान में राजस्थान में भाजपा के अब तक करीब 8 लाख सदस्य बने है। इसमें पुराने भी शामिल है। इस संख्या की समीक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि सदस्यता अभियान को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं और आम जनता में काफी उत्साह है। भाजपा का लक्ष्य प्रदेश में और अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ना है, ताकि संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत किया जा सके। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, भाजपा का सदस्यता अभियान एक सतत प्रक्रिया है, और हम इसे लगातार आगे बढ़ा रहे हैं। हम चाहते हैं कि हर व्यक्ति जो भाजपा की विचारधारा से प्रेरित है, पार्टी से जुड़े और हमारे परिवार का हिस्सा बने।

भीलवाड़ा विधायक अशोक कोठारी के भाजपा की सदस्यता लेने को लेकर उठे विवाद पर भी मदन राठौड़ ने अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा, अशोक कोठारी ने पार्टी की नीति, सिद्धांत और राष्ट्रीयता की भावना से प्रेरित होकर सदस्यता ली है। हालांकि, किसी को सदस्यता देना या ना देना हमारे संगठनात्मक अधिकार क्षेत्र में आता है। हम इस मामले में संगठन की नीतियों का पालन करेंगे और उचित निर्णय लेंगे। इस पर पार्टी अध्यक्ष का फैसला ही अंतिम मान्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी में सदस्यता के मुद्दे पर कोई विवाद नहीं है और जो भी पार्टी के सिद्धांतों के साथ चलता है, उसका स्वागत है। उन्होंने कहा कि भाजपा एक परिवार की तरह है, जहां सभी को साथ लेकर चलने की परंपरा है।

विधानसभा उपचुनावों की तैयारियों के संबंध में मदन राठौड़ ने बताया कि भाजपा ने एक सतत प्रक्रिया के तहत सभी उपचुनावों के लिए प्रभारी नियुक्त कर दिए हैं। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी में उपचुनाव की तैयारी भी एक निरंतर प्रक्रिया का हिस्सा है। हम पहले से ही तैयारी में जुटे हैं, लेकिन चुनाव की तिथि घोषित होने के बाद ही हम अपनी रणनीति को अंतिम रूप देंगे। राठौर ने जोर देकर कहा कि भाजपा उपचुनावों के लिए पूरी तरह तैयार है और पार्टी का फोकस जनता के मुद्दों को लेकर होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा का मुख्य उद्देश्य जनता की सेवा करना है और चुनावी रणनीति भी इसी दिशा में बनाई जाएगी।

नए जिलों के गठन और पुराने जिलों के समाप्त करने के सवाल पर राठौड़ ने कहा कि राज्य सरकार ने इस विषय पर एक उच्च स्तरीय कमेटी बनाई है, जिसने अपनी समीक्षा रिपोर्ट पेश की है। राठौर ने कहा, कई ऐसे जिले हैं जो बनने लायक नहीं थे और सरकार की समीक्षा रिपोर्ट के आधार पर उन्हें जल्द ही समाप्त किया जाएगा। हमारा मानना है कि प्रशासनिक दृष्टि से जो जिले कार्य करने में सक्षम नहीं हैं, उन्हें बनाए रखने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा कि कुछ जिले तो हटेंगें। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भाजपा प्रशासनिक सुधारों की पक्षधर है और पार्टी चाहती है कि राज्य में सुशासन हो। उन्होंने कहा कि भाजपा उन सभी मुद्दों पर सरकार का समर्थन करेगी जो जनता के हित में होंगे, लेकिन गलत निर्णयों का पुरजोर विरोध भी किया जाएगा।

मदन राठौड़ ने यह भी कहा कि भाजपा का फोकस केवल चुनाव जीतने पर नहीं बल्कि जनता की समस्याओं के समाधान पर भी है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर सक्रिय हैं और पार्टी नेतृत्व हमेशा उनकी समस्याओं को हल करने के लिए तत्पर रहता है। प्रदेश अध्यक्ष राठौर ने पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाते हुए कहा, भाजपा कार्यकर्ता हमारी ताकत हैं। हमें गर्व है कि हमारे पास ऐसे कार्यकर्ता हैं जो बिना किसी स्वार्थ के जनता की सेवा में लगे रहते हैं। आने वाले चुनावों में हम इन कार्यकर्ताओं की बदौलत एक बार फिर से जीत दर्ज करेंगे।

पार्वती नदी में नहाने के दौरान चार बालिकाएं बहीं

धौलपुर। धौलपुर जिले के मनिया थाना क्षेत्र में ऋषि पंचमी पर्व के मौके पर रविवार सुबह पार्वती नदी में नहाने के दौरान तेज बहाव में चार बालिकाएं बह गई जिसके बाद उनकी तलाश जारी है। थानाधिकारी नरेश शर्मा ने बताया कि बोथपुरा गांव में ऋषि पंचमी पर्व पर पार्वती नदी में पांच बालिकाएं नहा रही थी, तभी उनमें से दो बालिकाएं गहरे पानी में डूबने लगीं तो दो अन्य लड़कियों ने उन्हें बचाने की कोशिश की और इस तरह चारों बालिकाएं पार्वती नदी के तेज बहाव में बह गईं। उन्होंने बताया नदी में बहीं बालिकाओं की पहचान मोहिनी (14), प्रिया (12), अंजलि (14) और तनु (10) के रूप में की गई है। पुलिस एवं एसडीआरएफ की टीम स्थानीय लोगों के साथ बालिकाओं की तलाश कर रही है।

वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन में भाग लेंगे देश और दुनिया के धावक

जयपुर। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा उदयपुर में 29 सितंबर को आयोजित वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन में देश और दुनिया के विभिन्न हिस्सों से धावक भाग लेंगे। मैराथन का विषय 'रन फॉर जीरो हंगर' है। कंपनी ने आधिकारिक मैराथन पोस्टर का अनावरण किया है, जिसमें जिंक सिटी के रूप में भी जाने जाने वाले उदयपुर की विभिन्न तस्वीरें दर्शाई गई हैं। इस अवसर पर मैराथन धावक अरूण मिश्रा ने कहा कि मैराथन भूख के खिलाफ लड़ाई में योगदान के महत्व को उजागर करने के लिये है। हिंदुस्तान जिंक की चेयरपर्सन प्रिया अग्रवाल हेब्बार ने बताया कि मैराथन में लोगों को एक साथ लाने की शक्ति है। कंपनी की ओर से जारी बयान के अनुसार पोस्टर का अनावरण उदयपुर जिला कलेक्टर अरविंद पोसवाल, उदयपुर के पुलिस महानिरीक्षक अजय पाल लांबा, हिंदुस्तान जिंक के सीईओ और उत्साही मैराथन धावक अरूण मिश्रा की उपस्थिति में किया गया।

भजनलाल जापान एवं दक्षिण कोरिया की यात्रा के लिए जयपुर से रवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रविवार को दक्षिण कोरिया और जापान की यात्रा के लिए जयपुर से दिल्ली रवाना हुए। इससे पहले चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह ने मुख्यमंत्री निवास पर तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, विधायक रामसहाय वर्मा, मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय आलोक गुप्ता, शासन सचिव सामान्य प्रशासन डॉ. जोगाराम, जयपुर जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी, महानिदेशक पुलिस इंटेलिजेंस संजय अग्रवाल, जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ सहित उच्चाधिकारियों ने जयपुर एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री को सफल यात्रा के लिए पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दीं। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में आगामी दिसंबर माह में आयोजित होने वाले 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के क्रम में 9 से 14 सितंबर तक दक्षिण कोरिया और जापान में अंतरराष्ट्रीय इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल द्वारा विदेशी निवेशकों को राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

पेयजल एवं विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में लाएं सुधार, कोताही बर्दाश्त नहीं होगी : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत ने पोकरण एवं जैसलमेर क्षेत्र में अतिवृष्टि से हुए नुकसान का सर्वे कर शीघ्र ही पीड़ित परिवारों को सहायता दिलाने के अधिकारियों को निर्देश दिये। उन्होंने कहा फलसूण्ड एवं फूलासर क्षेत्र में जहां भी वर्षा के पानी का भराव है वहां सिंचाई अभियन्ताओं का सहयोग लेकर शीघ्र ही पानी निकासी कराने के निर्देश दिये। उन्होंने यह भी हिदायत दी कि अतिवृष्टि से प्रभावित कोई भी पीड़ित सहायता से वंचित नहीं रहे यह सुनिश्चित करें।

केन्द्रीय पर्यटन मंत्री शेखावत शनिवार को पंचायत समिति सांकड़ा के सभागार में जिला अधिकारियों की बैठक के दौरान यह निर्देश दिये। बैठक में जिला प्रमुख प्रतापसिंह सोलंकी, पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी, जिला कलक्टर प्रतापसिंह एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने बैठक में अतिवृष्टि से प्रभावित परिवारों के साथ ही जिन किसानों की फसलें खराब हुई है उसके बारे में अधिकारियों से फीडबेक लिया एवं जिला कलक्टर को कहा कि वे अतिवृष्टि से खराब हुई फसलों की शीघ्र ही गिरदावरी करावें। जिला कलक्टर प्रतापसिंह ने बताया कि 15 अगस्त से गिरदावरी का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है एवं शीघ्र ही गिरदावरी करवा दी जायेगी। केन्द्रीय मंत्री ने अतिवृष्टि के कारण पशुधन का नुकसान हुआ है उसका भी सर्वे करवाकर सहायता दिलाने की कार्यवाही कराने के निर्देश दिये।

केन्द्रीय मंत्री ने बैठक में जिले की पेयजल एवं विद्युत आपूर्ति व्यवस्था के प्रति काफी नाराजगी जताई एवं अधीक्षण अभियन्ता जलदाय व विद्युत को सख्त निर्देश दिये कि वे अपनी कार्यशैली में सुधार लायें एवं लोगों को समय पर पीने का पानी व विद्युत सप्लाई उपलब्ध करायें। उन्होने कहा कि इस कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

उन्होने पेयजल विभाग की मैन राईजिंग लाईन से चोरी कर पानी लेने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने पर जोर दिया एवं पुलिस अधीक्षक को कहा कि वे ऐसे लोगों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही अमल में लावें। उन्होने अधीक्षण अभियन्ता विद्युत को निर्देश दिये वे ट्रांसफॉर्मर रिप्लेसमेंट समय पर करवा कर किसानों को राहत दें। उन्होंने एफआरटी टीम को भी मुश्तैद करने के साथ ही उनकी गाड़ियों में जीपीएस सिस्टम लगाने के निर्देश दिये। केन्द्रीय मंत्री ने सहकारी विभाग की सहकारी समितियों में हो रही धांधली को भी गम्भीरता से लिया एवं सहकारी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे इनके खिलाफ पुलिस में एफआईआर दर्ज करावें।

उन्होने राजस्व एवं उपनिवेशन की भूमि पर अवैध काश्त के मामलों में भी कठोर कार्यवाही करने के निर्देश दिये एवं अवैध काश्त की प्रवृति को समाप्त करने पर बल दिया।

केन्द्रीय मंत्री ने जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे बेहतरीन ढंग से टीम भावना से कार्य कर सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर लागू कर पात्र लोगों को लाभान्वित करें एवं बजट घोषणाओं एवं विकास कार्यों की समय पर क्रियान्विती कर जिले के चहुमुंखी विकास में अपनी अहम भागीदारी अदा करें।

पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी ने भी अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे अतिवृष्टि से प्रभावित लोगों को राहत दें वहीं पेयजल की लाईनों पर किये गये अवैध कनेक्शनों को एक विशेष अभियान चलाकर हटाने की कार्यवाही करने पर जोर दिया। बैठक में पूर्व विधायक शैतानसिंह राठौड़, सांगसिंह भाटी ने नहरी क्षेत्र में नहर के पास बनी वन पट्टी की भूमि के मामलों में उचित कार्यवाही कराने का सुझाव दिया।

मानसून की गतिविधियां जारी, अलवर के कठूमर में भारी बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में मानसून की सक्रियता से पूर्वी राजस्थान में अधिकांश स्थानों और पश्चिमी भाग के कुछ स्थानों पर बीते 24 घंटों के दौरान हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई।

जयपुर के मौसम केंद्र के अनुसार, इस दौरान अलवर, भरतपुर, करौली, सिरोही, झालावाड़, बूंदी, बारां और टोंक जिले में कहीं–कहीं भारी वर्षा दर्ज की गई है।

केंद्र के अनुसार, रविवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पूर्वी राजस्थान में सर्वाधिक बारिश अलवर के कठूमर में 11 सेंटीमीटर व पश्चिमी राजस्थान के पाली के सोजत में 4 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई है। उसके अनुसार, इस दौरान देवली (टोंक) और बहरोड़ में 9 सेंटीमीटर, रूपबास (भरतपुर) और मंडावर (अलवर) में 8 सेमी, कामां (भरतपुर), माउंट आबू (सिरोही), पाटन (बूंदी), मालाखेड़ा (अलवर) और बारां में 7 सेमी बारिश हुई, जबकि कई अन्य स्थानों पर इस अवधि के दौरान 7 सेमी से कम बारिश हुई।

जयपुर केंद्र के प्रवक्ता के अनुसार, राज्य में एक–दो दिन तक हल्की से मध्यम बारिश जारी रहेगी।

आगामी 24 घंटों के दौरान जयपुर, कोटा, अजमेर और उदयपुर संभाग में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। अधिकारी के अनुसार, नौ सितंबर से पश्चिमी राजस्थान में और 10 सितंबर से पूर्वी राजस्थान में भारी वर्षा की गतिविधियां कम हो जाएंगी।

अजमेर में आज स्कूलों में अवकाश घोषित

राजस्थान में अजमेर के कलेक्टर लोकबंधु ने रविवार को एक आदेश जारी करके जिले की सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में मौसम विभाग की चेतावनी को देखते हुए नौ सितंबर को अवकाश घोषित किया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आदेश के अनुसार मौसम विभाग की ओर से जिले में अत्यधिक बरसात एवं बाढ़ की सम्भावना को देखते हुए कक्षा एक से 12 तक के सभी विद्यार्थियों का अवकाश स्वीकृत किया है। आदेश के तहत अध्ययन के अलावा शेष कार्य यथावत चलेंगे। उल्लेखनीय है कि अतिवृष्टि की संभावना को देखते हुए कार्यवाहक कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर गजेंद्र सिंह राठौड़ ने इससे पहले सात सितम्बर का अवकाश घोषित किया था।

पुष्कर में मूसलाधार बारिश

तीर्थ नगरी पुष्कर में दो घंटे की मूसलाधार बारिश के परिणामस्वरूप पवित्र पुष्कर सरोवर का जलस्तर 29 फीट तक पहुँच गया। इस अप्रत्याशित बारिश ने क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न कर दी है। पुष्कर में बारिश के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए शनिवार को जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने सरोवर का निरीक्षण किया। उन्होंने विशेष रूप से परिक्रमा मार्ग, सावित्री माता मंदिर मार्ग, गुरुद्वारा रोड, पुराना मंदिर व क्षेत्र में जलभराव से प्रभावित कॉलोनियों और बस्तियों का जायजा लिया।

मंत्री रावत ने प्रशासन को जलभराव से निपटने के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए और प्रशासन तथा अन्य विभागों को निर्देश दिए। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर मंत्री रावत ने सरोवर स्थित गणेश मंदिर में पूजा–अर्चना की स्थानीय जनता के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। प्रशासन का त्वरित और समन्वित प्रयास राहत कार्यों में महत्वपूर्ण साबित हो रहा है, और सभी विभागों की सक्रियता से पुष्कर में स्थिति को जल्द सामान्य करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

विधायक पानी से बचने के लिए कार्यकर्ता की पीठ पर बैठे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में तेज बारिश का दौर आज भी जारी है। जयपुर, अलवर, भरतपुर सहित कई जिलों में रुक–रुककर बरसात हो रही है। मौसम केंद्र ने आज भी 16 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। बीते करीब दस दिन से लगातार हो रही बारिश के कारण बीसलपुर सहित छह बड़े बांधों के गेट खुले हैं। मानसून सीजन अच्छा होने के कारण भीलवाड़ा का खारी बांध भी ओवरफ्लो हुआ है। यहां से निकले पानी के कारण 28 साल बाद खारी नदी में पानी आया है। नदी का स्वागत लोगों ने बैंडबाजे के साथ किया। महिलाओं ने गीत गाए और नदी को चुनरी भी ओढ़ाई। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि आज और कल प्रदेश में मध्यम से तेज बारिश का दौर जारी रहेगा। उम्मीद है कि 10 सितंबर से लोगों को तेज बारिश से राहत मिल सकती है। बूंदी मे खटखड मेज नदी पुलिया पर एक से डेढ फीट पानी होने के बावजूद रोडवेज बस ड्राइवर ने यात्रियों की जान जोखिम में डाल दी। एएसपी उमा शर्मा ने ड्राइवर के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। दौसा जिले के लालसोट क्षेत्र स्थित नालावास गांव में मोरेल नदी पर बने अस्थाई कच्चे बांध को देखने के लिए शनिवार को विधायक रामबिलास मीना पहुंचे। इस दौरान पानी से जूतों को बचाने के लिए विधायक एक कार्यकर्ता की पीठ पर चढ़ गए। विधायक की यह तस्वीर वायरल हो रही है। जिसमें वो कार्यकर्ता की पीठ पर बैठे हुए नजर आ रहे है। लालसोट क्षेत्र के नालावास व गोकुलपुरा गांव के ग्रामीणों ने मोरेल नदी पर एक अस्थायी कच्चा बांध बनाया है। जल संरक्षण के प्रति ग्रामीणों की अनूठी पहल को देखने के लिए विधायक रामबिलास मीना भी शनिवार को नालावास गांव पहुंचे। इस दौरान विधायक रामबिलास मीना को पानी से बचाने के लिए एक कार्यकर्ता ने अपनी पीठ पर बिठा लिया।

जन्म रिकॉर्ड से छेड़छाड़ मामले में बलात्कार पीड़िता का पिता और प्रधानाध्यापक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर पुलिस ने उत्तर प्रदेश के एक निजी स्कूल के प्रधानाध्यापक और 14 वर्षीय बलात्कार पीड़िता के पिता को लड़की के जन्म रिकॉर्ड के साथ छेड़छाड़ करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने रविवार को बताया कि दोनों आरोपियों ने पीड़िता के जन्म रिकॉर्ड में कथित तौर पर छेड़छाड़ कर उसे वयस्क दिखाया था, ताकि आरोपी को जमानत हासिल करने में मदद मिल सके। मुरलीपुरा थानाधिकारी सुनील कुमार जांगिड़ ने बताया कि प्रधानाध्यापक को उत्तर प्रदेश के देवरिया से बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया गया, जबकि पीड़िता के पिता को शनिवार रात बहरोड़ (राजस्थान) से पकड़ा गया। जांगिड़ के मुताबिक, पीड़िता की ओर से जुलाई में प्राथमिकी दर्ज कराकर आरोप लगाया गया था कि उसकी बुआ ने उसे हरियाणा निवासी संदीप यादव के हाथों दो लाख रुपये में बेच दिया था, जिसके बाद यादव ने उसके साथ बलात्कार किया। उन्होंने बताया कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज मामले की जांच के बाद इस संबंध में पीड़िता की बुआ, संदीप यादव और उसके पिता सतवीर यादव को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। जांगिड़ के अनुसार, इस बीच पीड़िता के पिता संजय ने उत्तर प्रदेश के एक निजी स्कूल से संपर्क कर झूठा रिकॉर्ड हासिल किया और दावा किया कि उसकी लड़की नाबालिग नहीं, बल्कि वयस्क है।

उन्होंने बताया, स्कूल के प्रधानाध्यापक प्राणनाथ मल ने स्कूल रजिस्टर से छेड़छाड़ कर गलत जन्म रिकॉर्ड दे दिया। दस्तावेज में लड़की का जन्म वर्ष 2003 में होने की बात कही गई थी।

जांगिड़ ने कहा, स्कूल रिकॉर्ड की जांच में पुलिस ने पाया कि लड़की का जन्म वर्ष 2010 से बदलकर 2003 कर दिया गया था, जिससे उसकी उम्र 21 साल हो गई। उन्होंने बताया कि पीड़िता की ओर से प्राथमिकी दर्ज कराए जाने के बाद पुलिस ने उसका रिकॉर्ड हासिल किया, जिससे पता चलता है कि वह नाबालिग है। जांगिड़ के मुताबिक, जब जन्म से संबंधित दूसरा दस्तावेज सामने आया, तो पुलिस को संदेह हुआ कि यह फर्जी है और इस संबंध में एक अलग मामला दर्ज कर दस्तावेज के सत्यापन के लिए पुलिस के एक दल को उत्तर प्रदेश भेजा गया।

जांगिड़ ने बताया कि उत्तर प्रदेश गए पुलिस दल ने स्कूल के रिकॉर्ड की जांच की, तो पाया कि स्कूल के रजिस्टर में छेड़छाड़ की गई थी। उन्होंने बताया कि रजिस्टर को जब्त कर प्रधानाध्यापक को गिरफ्तार कर लिया गया।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, ओडिशा के राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने लोगों को 'नुआखाई' उत्सव की बधाई दी

भुवनेश्वर/संबलपुर/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, ओडिशा के राज्यपाल रघुबर दास, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को राज्य के लोगों को 'नुआखाई' उत्सव की शुभकामनाएं दीं। यह कृषि संबंधी त्योहार है जो ज्यादातर ओडिशा के पश्चिमी हिस्सों में मनाया जाता है। नुआखाई के दिन खेत की पहली फसल देवी को अर्पित की जाती है और लोग घर के बुजुर्गों का आशीर्वाद लेते हैं। ओडिशा की मूल निवासी राष्ट्रपति ने सभी भारतीयों, विशेषकर ओडिशा के लोगों को नुआखाई की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रपति ने नुआखाई को एक प्रमुख कृषि त्योहार बताते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, नुआखाई त्योहार देश के किसानों के प्रति आभार व्यक्त करने का एक अवसर है। यह त्योहार सभी के जीवन में खुशियां और समृद्धि लाए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस अवसर पर लोगों को बधाई देते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, नुआखाई जुहार! नुआखाई के विशेष अवसर पर मेरी शुभकामनाएं। हम अपने मेहनती किसानों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं और हमारे समाज के लिए उनके प्रयासों की सराहना करते हैं। सभी को खुशी और अच्छे स्वास्थ्य का आशीर्वाद मिले।

माझी ने इस शुभ दिन पर सभी लोगों की समृद्धि और खुशहाली की कामना की तथा विश्व के कल्याण की प्रार्थना की। ओडिशा के मुख्यमंत्री संबलपुर के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे। संबलपुर पहुंचने के बाद माझी ने केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, राज्य के मंत्रियों सुरेश पुजारी और रबी नारायण नाइक और कुछ अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं के साथ मां समलेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना की और मंदिर में 'नबान्न' (मौसम की पहली फसल) का आनंद लिया।

माझी का पश्चिमी ओडिशा में मुख्यमंत्री किसान योजना की शुरुआत करने का कार्यक्रम भी है। वह 'नुआखाई भेटघाट' कार्यक्रम में भी हिस्सा लेंगे। अमित शाह ने 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में कहा, नुआखाई के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं। प्रकृति के साथ हमारे बंधन को पुनर्जीवित करने वाला त्योहार, नुआखाई हमारी प्राचीन संस्कृति का जीवंत स्वरूप है। मां समलेश्वरी का आशीर्वाद सभी को अच्छे स्वास्थ्य, खुशी और समृद्धि प्रदान करे।

'एनईपी बड़ा बदलाव लाने वाली नीति, अभी तक नहीं अपनाने वाले राज्यों को रुख पर पुनर्विचार की जरूरत'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) एक बड़ा बदलाव लाने वाली नीति है और जिन राज्यों ने अभी तक इस नीति को नहीं अपनाया है, उन्हें अपने रुख पर पुनर्विचार करना चाहिए।

धनखड़ ने अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उन लोगों के खिलाफ आगाह किया जो भारत की संस्थाओं की छवि धूमिल करते हैं। उन्होंने लोगों से उन गुमराह व्यक्तियों को रोशनी दिखाने का आग्रह किया जो देश के प्रभावशाली विकास को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि अब समय आ गया है कि हम मिशन मोड में काम करें और जल्द से जल्द 100 प्रतिशत साक्षरता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम करें। धनखड़ ने कहा, शिक्षा ऐसी चीज है जिसे कोई चोर आपसे नहीं छीन सकता। कोई सरकार इसे आपसे नहीं छीन सकती। न तो रिश्तेदार और न ही दोस्त इसे आपसे छीन सकते हैं। इसमें कोई कमी नहीं आ सकती। यह तब तक बढ़ती रहेगी जब तक आप इसे साझा करते रहेंगे। अगर साक्षरता को जुनून के साथ आगे बढ़ाया जाए तो भारत नालंदा और तक्षशिला की तरह शिक्षा के केंद्र के रूप में अपना प्राचीन दर्जा पुनः प्राप्त कर सकता है।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को अभी तक नहीं अपनाने वाले राज्यों से अपने रुख पर पुनर्विचार करने की अपील करते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह नीति देश के लिए एक बड़ा बदलाव लाने वाली है। उन्होंने कहा, यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति हमारे युवाओं को उनकी प्रतिभा और ऊर्जा का पूरा इस्तेमाल करने का अधिकार देती है, जिसमें सभी भाषाओं को उचित महत्व दिया जाता है। भारत की संस्थाओं की छवि धूमिल करने वाले लोगों के खिलाफ चेतावनी देते हुए धनखड़ ने उन गुमराह लोगों को रास्ता दिखाने का आग्रह किया जो भारत के प्रभावशाली विकास को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं और जमीनी हकीकत को नहीं पहचान रहे हैं। मातृभाषा के विशेष महत्व पर प्रकाश डालते हुए धनखड़ ने कहा कि यह वह भाषा है जिसमें लोग सपने देखते हैं। उपराष्ट्रपति ने भारत की अद्वितीय भाषाई विविधता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, दुनिया में भारत जैसा कोई देश नहीं है।

झारखंड में आबकारी कांस्टेबल भर्ती अभियान 'वोट' के लिए आयोजित किया गया : शिवराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार पर वोट के लिए आबकारी कांस्टेबल भर्ती अभियान चलाने का आरोप लगाया, जिसमें 12 लोगों की जान चली गई।

विपक्षी भारतीय जनता पार्टी के झारखंड चुनाव प्रभारी चौहान इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों का जायजा लेने के लिए रविवार को रांची पहुंचे थे।

केंद्र सरकार में कृषि मंत्री के तौर पर कार्य कर रहे चौहान ने रांची के बिरसा मुंडा हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से बातचीत में कहा, मुख्यमंत्री ने युवाओं को 10 किलोमीटर तक दौड़ाया। इससे 12 युवाओं की मौत हो गई। 10 किलोमीटर की दौड़ कहीं नहीं हुई।

चौहान ने कहा कि प्रदेश में आसन्न चुनाव को देखते हुए मुख्यमंत्री ने पांच लाख नौकरियों का वादा किया और वह यह जानते हैं कि वह इसे कभी पूरा नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, उचित व्यवस्था के बिना, हेमंत सोरेन सरकार ने वोट के लालच में युवाओं को गुमराह करने की साजिश रची, जिसने कई युवाओं की जान ले ली।

चौहान ने आरोप लगाया कि सोरेन यह जानते थे कि इस समय भर्ती नहीं हो सकती, चाहे कितने भी साक्षात्कार क्यों न हो जायें। उन्होंने आरोप लगाया, यह महज दुर्घटना नहीं है, बल्कि वोट के लालच में की गई हत्याएं हैं, जिसके लिए झारखंड के युवा सरकार को कभी माफ नहीं करेंगे।

चाहे गाय हो या व्यक्ति, किसी की भी 'लिंचिंग' नहीं होनी चाहिए : आरएसएस प्रचारक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ पदाधिकारी इंद्रेश कुमार ने रविवार को कहा कि न किसी व्यक्ति 'लिंचिंग' (पीट-पीट कर हत्या) होनी चाहिए और न ही गाय की 'लिंचिंग' होनी चाहिए।

आरएसएस के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य ने पटना में पत्रकारों से यह भी कहा कि संघ अपने प्रमुख मोहन भागवत द्वारा जाति जनगणना के पक्ष में व्यक्त किए गए विचारों के साथ खड़ा है। इंद्रेश ने कहा, माननीय मोहन जी ने जो कहा है, वह आरएसएस के शत-प्रतिशत स्वयंसेवकों का विचार है। जाति एक वास्तविकता है जिसे हम नकार नहीं सकते। लेकिन हमें जातिवाद के जहर को दूर रखने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा, इसी तरह, हमारा भी मानना है कि कई धर्म हैं और रहेंगे। लेकिन हमें धार्मिक कट्टरता और उसके कारण होने वाली हिंसा से सावधान रहना चाहिए। लोगों को सभी के प्रति सम्मान रखते हुए अपने पथ का अनुसरण करना चाहिए। गौरक्षकों द्वारा पीट-पीट कर हत्याएं किए जाने और विपक्ष द्वारा इनके लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराए जाने के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने कहा, देश और दुनिया के कई हिस्सों में लोग मांस खाते हैं। लेकिन हमें यह समझना चाहिए कि लोग गायों के प्रति संवेदनशील हैं। इसलिए, हमें ऐसा माहौल बनाने का प्रयास करना चाहिए जिसमें गायों की 'लिचिंग' (हत्या) न हो और न ही किसी व्यक्ति की 'लिंचिंग' हो।

केंद्र को मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए कदम उठाने चाहिए: बीरेन सिंह

इम्फाल/भाषा। मणिपुर में हिंसा की नई घटनाओं के बीच मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने रविवार को केंद्र से राज्य की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए कदम उठाने की अपील की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सिंह ने केंद्र सरकार से कुकी-जो समूहों द्वारा उठाई गई अलग प्रशासन की मांग के आगे न झुकने का भी आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कई विधायकों और विधानसभा अध्यक्ष के साथ राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात की और एक बैठक की। उन्होंने ये अपील राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य को सौंपे ज्ञापन में की। अधिकारी के अनुसार, आचार्य को सौंपे ज्ञापन में सिंह ने कहा कि केंद्र को मणिपुर में शांति सुनिश्चित करनी चाहिए और निर्वाचित राज्य सरकार को पर्याप्त शक्तियां देनी चाहिए। सिंह ने परिचालन निलंबन (एसओओ) समझौते को रद्द करने का भी आह्वान किया। एसओओ समझौते पर केंद्र, मणिपुर सरकार और कुकी उग्रवादी संगठनों के दो समूहों - कुकी नेशनल ऑर्गनाइजेशन (केएनओ) और यूनाइटेड पीपुल्स फ्रंट (यूपीएफ) द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे। इस समझौते पर 2008 में हस्ताक्षर किए गए थे तथा उसके बाद समय-समय पर इसे बढ़ाया जाता रहा। राजभवन ने एक बयान में कहा कि सिंह ने अपने कैबिनेट सहयोगियों के साथ राज्यपाल से मुलाकात की और एक ज्ञापन सौंपा।

चिराग पासवान के साथ सुलह की संभावना पर पशुपति पारस ने कहा : 'अब हो चुकी है बहुत देर'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) के प्रमुख पशुपति कुमार पारस ने रविवार को अपने भतीजे और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के साथ सुलह की किसी भी संभावना से इनकार करते हुए कहा कि अब बहुत देर हो चुकी है।

'पीटीआई - वीडियो' के साथ साक्षात्कार में पारस ने कहा कि जब उनके बड़े भाई रामविलास पासवान जीवित थे, तो भाइयों के बीच कोई दरार नहीं थी। चिराग से सुलह की संभावना पर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, ऐसा कभी नहीं हो सकता। अब वह स्थिति नहीं है। अब बहुत देर हो चुकी है। उन्होंने कहा, जब पार्टियां टूटती हैं, तो वे एक हो सकती हैं, लेकिन जब दिल टूटते हैं, तो वे नहीं जुड़ सकते। पारस ने कहा कि परिवार एक था और लोक जनशक्ति पार्टी एकजुट थी, लेकिन यह उनका ''दुर्भाग्य'' है कि रामविलास पासवान के निधन के बाद परिवार और पार्टी दोनों अलग हो गए। उन्होंने कहा कि पार्टी में विभाजन का कारण सभी जानते हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि करीब तीन हफ्ते पहले उन्होंने पटना में भाजपा की बिहार इकाई के प्रमुख दिलीप जायसवाल से मुलाकात की थी और उसके बाद उन्हें दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने का मौका मिला। उन्होंने कहा, इस दौरान बिहार में 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा हुई।

लखनऊ में तीन मंजिला इमारत ढही : मृतक संख्या बढ़कर आठ हुई, 28 घायल

लखनऊ/भाषा। लखनऊ के ट्रांसपोर्ट नगर में शनिवार शाम करीब पांच बजे तीन मंजिला इमारत ढहने की घटना में तीन और लोगों की मौत की पुष्टि के बाद इस हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है। हादसे में 28 लोग घायल भी हुए हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को आंबेडकर नगर के दौरे से लौटने के बाद हादसे में घायलों की कुशलक्षेम पूछने के लिए यहां लोकबंधु राजनारायण अस्पताल पहुंचे और उनके उपचार की समुचित जानकारी हासिल की।

घायलों से मुलाकात के बाद योगी ने सोशल मीडिया के अपने आधिकारिक ''एक्स'' खाते पर एक पोस्ट में कहा, कुशल चिकित्सकों के नेतृत्व में सभी का समुचित उपचार शीर्ष प्राथमिकता पर किया जा रहा है। इस कठिन समय में उत्तर प्रदेश सरकार पीड़ितों और उनके परिजनों के साथ पूरी तत्परता तथा संवेदनशीलता के साथ खड़ी है। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी इस घटना में हुई मौतों पर शोक जताया है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने 'एक्स' पर मोदी के हवाले से कहा, उत्तर प्रदेश के लखनऊ में एक इमारत दुर्घटना के कारण लोगों की मौत दुखद है। अपने प्रियजनों को खोने वालों के लिए प्रार्थना करता हूं। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रत्येक मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफ (प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष) से 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपए दिए जाएंगे। संयुक्त पुलिस आयुक्त अमित वर्मा ने कहा कि अब किसी के मलबे में फंसे होने की संभावना कम है। ट्रांसपोर्ट नगर इलाके में शनिवार को तीन मंजिला इमारत ढह गई, जिसमें 28 लोग घायल हो गए। घटनास्थल से पांच शव बरामद किए गए थे। उत्तर प्रदेश के राहत आयुक्त जीएस नवीन कुमार ने रविवार को बताया कि बचाव अभियान के दौरान राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम ने तीन और लोगों-राज किशोर (27), रुद्र यादव (24) और जगरूप सिंह (35) के शव बरामद किए। इसके साथ ही इस हादसे में मरने वालों की तादाद बढ़कर आठ हो गई। कुमार ने बताया कि मलबे के नीचे कोई और न दबा हो, यह सुनिश्चित करने के लिए बचाव अभियान अब भी जारी है।

सौ साल के हुए द्वितीय विश्वयुद्ध के समय के पूर्व सैनिक चरण सिंह, सेना ने मनाया जन्मदिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सेना में अपनी सेवाएं देने वाले और प्रतिष्ठित बर्मा स्टार पुरस्कार से सम्मानित लांस नायक चरण सिंह (सेवानिवृत्त) 100 वर्ष के हो गए हैं।

सेना ने शनिवार को हिमाचल प्रदेश में उनके घर पर उनका सौवां जन्मदिन मनाया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को कहा कि 7 सितंबर, 1924 को जन्मे सिंह का सेना में सफर 26 अगस्त, 1942 को फिरोजपुर छावनी में शुरू हुआ था। सिंह ने सेना में अपने शानदार करियर में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान 'आर्मी सर्विस कोर' के साथ काम किया। अधिकारी ने कहा कि उनकी सेवा उन्हें सिंगापुर से लाहौर और अंततः हिमाचल प्रदेश के योल छावनी तक ले आई।

सेना ने कहा, वर्षों के उनके समर्पण के लिए उन्हें प्रतिष्ठित बर्मा स्टार अवार्ड और भारतीय स्वतंत्रता पदक से सम्मानित किया गया। 17 साल की सेवा के बाद, वह 17 मई, 1959 को भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हुए थे। अधिकारी ने कहा कि अब सिंह पंजाब के रोपड़ जिले के डेकवाला गांव में अपने चार बेटों और दो बेटियों के साथ रहते हैं। ब्रिगेडियर के नेतृत्व में एक टीम सिंह के परिवार के साथ जश्न में शामिल हुई और इस दौरान एक केक काटा गया। अधिकारी ने कहा कि भारतीय सेना अपनी समृद्ध परंपराओं तथा अपने दिग्गजों को सम्मानित करने और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को स्वीकार करने की प्रतिबद्धता के लिए जानी जाती है। उन्होंने कहा कि लांस नायक चरण सिंह की शताब्दी मनाना भारतीय सेना द्वारा यह संदेश देने का एक तरीका है कि जो एक बार सैनिक बन जाता है, वह हमेशा सैनिक ही रहता है, वह हमेशा सेना परिवार का हिस्सा रहता है। सेना ने कहा, हमें याद रखना चाहिए कि हमारे सेवानिवृत्त सैनिक कल के सैनिक हैं, जिन्होंने न केवल देश की सेवा की है, बल्कि सभी सैनिकों और नागरिकों के लिए समर्पण और बलिदान के मानक स्थापित किए हैं।

उत्तर प्रदेश के पांच शहरों में अटकी पड़ी हैं 378 आवासीय परियोजनाएं

नई दिल्ली/भाषा। नोएडा और ग्रेटर नोएडा सहित उत्तर प्रदेश के पांच प्रमुख शहरों में 378 आवासीय परियोजनाएं अटकी पड़ी हैं। इन परियोजनाओं में 1.46 लाख फ्लैट हैं। रियल एस्टेट आंकड़ा विश्लेषण कंपनी प्रॉपइक्विटी ने यह जानकारी दी। आंकड़ों के मुताबिक उत्तर प्रदेश के नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, लखनऊ और आगरा में 1,45,880 फ्लैट वाले 378 आवासीय परियोजनाएं रुकी हुई हैं।

आंकड़ों के अनुसार ग्रेटर नोएडा में 74,645 इकाइयों वाली 167 अवरुद्ध परियोजनाएं हैं। नोएडा में 41,438 इकाइयों वाली 103 अटकी आवासीय परियोजनाएं हैं, जबकि गाजियाबाद में 15,278 इकाइयों वाली 50 अवरुद्ध परियोजनाएं हैं। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद दिल्ली-एनसीआर में महत्वपूर्ण संपत्ति बाजार हैं। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भी 13,024 फ्लैट वाली 48 आवासीय परियोजनाएं अटकी हुई हैं। आगरा में 10 परियोजनाएं अवरुद्ध हैं, जिनमें 1,495 इकाइयां शामिल हैं।

प्रॉपइक्विटी के आंकड़ों के मुताबिक कुल मिलाकर 42 शहरों में 1,981 आवासीय परियोजनाएं अटकी पड़ी हैं, जिनमें कुल 5.08 लाख फ्लैट हैं।

अरूणाचल प्रदेश के सेप्पा में भीषण आग में 23 मकान जलकर नष्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। अरूणाचल प्रदेश में पूर्वी कामेंग जिले के सेप्पा में भीषण आग लग जाने से कम से कम 23 मकान जलकर पूरी तरह नष्ट हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक कामदाम सिकोम ने बताया कि शनिवार शाम करीब सात बजे अबोटानी कॉलोनी में यह घटना घटी। उन्होंने बताया कि आग की वजह पता नहीं चल पाई है लेकिन संदेह है कि इलेक्ट्रिक शॉट सर्किट की वजह से आग लगी। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि आग के कारण जिनका घर जल गया उनके लिए एलबीएस-।। विद्यालय में एक राहत शिविर स्थापित किया गया है। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा कि सरकार की स्थिति पर नजर बनी हुई है। उन्होंने कहा, यह जानकर दुख हुआ कि सेप्पा में भीषण आग में 23 मकान जलकर नष्ट हो गए। कृपया, घबराइए मत, हम स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। मैंने ईस्ट कामेंग जिला प्रशासन के अधिकारियों से कहा है कि वे नियमों के अनुसार हरसंभव सहायता प्रदान करें। एक राहत शिविर स्थापित किया गया है। मैं सभी प्रभावित लोगों से अपील करता हूं कि वे शिविर का लाभ उठाएं और सुरक्षा एहतियात भी बरतें ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

क्रिकेटर के रूप में संतुष्ट होने पर आप कभी कुछ नहीं सीखेंगे: तेज गेंदबाज आकाश दीप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। मैच में नौ विकेट झटकने के बाद कोई गेंदबाज आम तौर पर काफी खुश होता है लेकिन भारत के तेज गेंदबाज आकाश दीप दलीप ट्रॉफी मैच यह कारनामा करने के बाद व्यस्त सत्र से पहले उन चीजों पर ध्यान दे रहे है जिसमें उन्हें सुधार करने की जरूरत है। आकाश ने हाल ही में समाप्त हुए दलीप ट्रॉफी के पहले दौर के मैच में इंडिया बी के खिलाफ इंडिया ए के लिए शानदार प्रयास किया। उन्होंने पहली पारी में 60 रन देकर चार विकेट जबकि दूसरी पारी में 56 रन देकर पांच विकेट चटकाए। उन्होंने रविवार को मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, अगर आप एक क्रिकेटर के रूप में संतुष्ट हो जाएंगे तो आप कभी कुछ नहीं सीख पाएंगे। जब तक मुझमें सीखने की भूख है, मैं कभी संतुष्ट नहीं हो सकता।

आकाश दीप ने कहा, विकेट और नतीजे दो अलग चीजें हैं। कभी-कभी आपको परिणाम मिलेगा, कभी-कभी नहीं। लेकिन, सबसे महत्वपूर्ण बात प्रक्रिया है...जैसे गेंदबाजी करते समय, ऐसे कौन से क्षेत्र हैं जिनमें अब भी सुधार किया जा सकता है। इस साल की शुरुआत में रांची में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले आकाश ने काफी अंतराल के बाद लाल गेंद के प्रारूप में वापसी की है। बंगाल के इस खिलाड़ी ने कहा कि वह सत्र के लिए अपने तरीके से तैयारी कर रहे थे।

आकाश दीप ने कहा, रांची में भारत के लिए पदार्पण और आईपीएल के बाद मैंने कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला। इतने लंबे अंतराल के बाद एक तेज गेंदबाज के रूप में मैच खेलना कठिन है, लेकिन मैं पिछले महीने से अभ्यास कर रहा हूं। उन्होंने कहा, हम अभ्यास मैचों को वास्तविक मैच के रूप में खेल रहे थे। इसलिए, हमारी मानसिकता अपनी मांसपेशियों को उस तरह की गेंदबाजी के लिए अभ्यस्त करने की थी और इससे मुझे बहुत मदद मिली। भारत को इस सत्र में 10 टेस्ट खेलने हैं और दलीप ट्रॉफी में आकाश के इस प्रदर्शन ने निश्चित रूप से उन्हें जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के बाद तीसरे तेज गेंदबाज के लिए मजबूत विकल्प के लिए रखा है। आकाश हालांकि भविष्य के बारे में ज्यादा सोचे बिना मौजूदा समय पर ध्यान दे रहे है। उन्होंने कहा, मैं जो भी मैच खेलता हूं उसे मैं अपना आखिरी मैच मानता हूं। मैं बहुत दूर तक नहीं सोचता। मेरे सिर्फ वर्तमान के बारे में सोचता हूं।

हुड्डा ने पहलवानों का वैसा ही इस्तेमाल किया जैसे पांडवों ने द्रौपदी का किया था: बृजभूषण शरण सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोंडा (उप्र)/भाषा। भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के हुड्डा परिवार ने वैसे ही पहलवानों को दांव पर लगाकर उनके (सिंह के) खिलाफ साज़िश रची जैसे महाभारत में पांडवों ने द्रौपदी को दांव पर लगाया था। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख सिंह पर पिछले वर्ष कई महिला पहलवानों ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था और उनके खिलाफ जांच की मांग को लेकर कई सप्ताह धरना दिया था।

सिंह ने रविवार को अपने आवास पर संवाददाताओं से बातचीत में कहा, महाभारत में जो जुआ खेला गया था, उसमें द्रौपदी को दांव पर लगाया गया था। पांडव हार गए थे। इस मामले में पांडवों की दलीलों को देश अब भी स्वीकार नहीं कर पा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि हुड्डा के परिवार ने बेटियों और बहनों की इज्जत दांव पर लगाकर उनके खिलाफ साजिश रची जिसके लिए आने वाली पीढ़ी उन्हें माफ नहीं करेगी और इसके लिए उन्हें हमेशा दोषी माना जाएगा। वह हुड्डा परिवार से हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का जिक्र कर रहे थे। विनेश फोगाट और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता बजरंग पुनिया तथा एक अन्य ओलंपिक कांस्य विजेता साक्षी मलिक ने पिछले वर्ष इस आंदोलन का नेतृत्व किया था। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष ने यह भी कहा, बजरंग पुनिया की मानसिकता खराब हो गई है। उन्होंने अपनी पत्नी को दांव पर लगा दिया था। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि वे बिना ट्रायल के एशियाई खेलों में खेलने क्यों गए?'' दिल्ली में पहलवानों के विरोध प्रदर्शन पर पूछे गए सवाल पर सिंह ने कहा, पहलवानों के विरोध का नाम मत लीजिए। दिल्ली में पहलवानों का कोई विरोध प्रदर्शन नहीं था। यह एक पारिवारिक विरोध था। जब हम पहलवान कहते हैं, तो एक समूह आ जाता है। क्या पहलवान पंजाब व हरियाणा में नहीं हैं? क्या वे महाराष्ट्र, बिहार, उत्तर प्रदेश, बंगाल और हिमाचल (प्रदेश) में नहीं हैं?''

सुविचार

जिंदगी में एक दौर ऐसा भी आएगा जब तुमसे जलने वाले, खुद ही जलकर राख हो जाएंगे!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मुनीर की डींगें

पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने कारगिल युद्ध में अपनी फौज की संलिप्तता स्वीकार करते हुए जिन शब्दों में शेखी बघारी है, उसके लिए यही कहा जा सकता है- 'चोरी, ऊपर से सीना जोरी।' हालांकि मुनीर ने कारगिल युद्ध के बारे में कोई रहस्योद्घाटन नहीं किया है। उन्होंने जो कुछ कहा, उसके बारे में भारतवासियों को पहले ही पर्याप्त जानकारी है। मुनीर सेना प्रमुख के पद पर रहते यह स्वीकारोक्ति कर रहे हैं। उनका इरादा अपने देश की जनता के मन में फौज की छवि को मजबूत करने का है, जिसे पिछले कुछ वर्षों में गहरा धक्का लगा है। मुनीर ने कारगिल युद्ध के बारे में बोलने का थोड़ा हौसला तो दिखाया, लेकिन उस पर भी झूठ का मुलम्मा चढ़ा दिया। उन्होंने युद्ध का जिक्र करते हुए पाकिस्तान को साहसी और निर्भीक राष्ट्र बता दिया! अगर पाकिस्तान सच में ऐसा राष्ट्र होता तो कारगिल युद्ध में जान गंवाने वाले अपने फौजियों की लाशें तो ले जाता। पाकिस्तान की नॉर्दन लाइट इन्फेंट्री रेजिमेंट के उन फौजियों की लाशों को भारतीय जवानों ने दफनाया था, वह भी पूरे सैन्य सम्मान के साथ। साहस, निर्भीकता और वीरता के साथ उदारता भारतीय सेना ने दिखाई थी। आज कारगिल युद्ध से संबंधित कई महत्त्वपूर्ण बातें ऑनलाइन उपलब्ध हैं। पाकिस्तान के तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल परवेज मुशर्रफ के साथ मिलकर जिन सैन्य अधिकारियों ने षड्यंत्र रचा था, वह उनके ही गले पड़ गया था। जनरल मुनीर अपने भाषण में डींगें हांकते रहे, लेकिन यह क्यों नहीं बताया कि मुशर्रफ ने जो बड़े-बड़े दावे किए थे, वे भरभराकर गिरे थे? नॉर्दन लाइट इन्फेंट्री रेजिमेंट के जो घुसपैठिए कारगिल की पहाड़ियों पर भेजे गए थे, वे तब तक 'जीत' की खुशियां मनाते रहे, जब तक कि उनका सामना भारतीय सेना से नहीं हुआ था। जब भारतीय थल सेना और वायुसेना ने धावा बोला तो पाकिस्तानी फौजियों की हालत उस मेमने जैसी हो गई थी, जो भूलवश शेर से टकरा जाए और उसके निकल भागने का कोई रास्ता भी न रहे!

मुनीर के पास अच्छा मौका था कि वे पाकिस्तानी जनता को यह सच बताते कि कारगिल युद्ध परवेज मुशर्रफ और पाक फौज के तत्कालीन उच्चाधिकारियों की हठधर्मिता, जड़ता, अदूरदर्शिता और मूर्खता का परिणाम था। उस युद्ध में भारत के भी कई जवानों ने वीरगति पाई थी। सेना ने उनकी जानकारी सार्वजनिक की थी। देशवासियों ने उन्हें अश्रुपूर्ण विदाई दी थी। आज भी उनके सम्मान में कार्यक्रम होते हैं, उन्हें याद किया जाता है। जबकि पाकिस्तानी फौज ने कारगिल युद्ध में मारे गए अपने फौजियों की सही-सही संख्या तक नहीं बताई। पाकिस्तान के ही कई सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी दावा कर चुके हैं कि कारगिल की पहाड़ियों पर उनके हज़ारों जवानों की जानें गई थीं। उन्हें युद्धभूमि में घुसपैठिए की तरह दिखाने के लिए उनसे वर्दी, पहचान पत्र और अन्य सैन्य चिह्न पहले ही छीन लिए गए थे। किसी सैनिक के लिए यह बहुत अपमान की बात होती है। वे पाकिस्तानी फौजी गलत तरीके से भारतीय भू-भाग पर आए थे। उन्होंने अवैध ढंग से कब्जा किया और भारत की जवाबी कार्रवाई में बुरी तरह मारे गए थे। फिर भी वे इतना हक जरूर रखते थे कि उनका देश उन्हें स्वीकार करे, उन्हें उचित तरीके से अंतिम विदाई दे। उनके परिजन को आज भी नहीं पता कि वे किस कब्र में दफ़्न हैं! मुनीर जब यह कहते हैं कि 'सशस्त्र बलों और राष्ट्र के बीच संबंध दिल का होता है' तो उनका एक-एक शब्द अत्यंत हास्यास्पद लगता है। बेशक ऐसा संबंध होता है, लेकिन यह पाकिस्तान में नहीं होता। हकीकत यह है कि आज पाकिस्तानी फौज अपनी जनता की नजरों में ही खलनायक बन चुकी है। उसके लिए 'यह जो दहशतगर्दी है, उसके पीछे वर्दी है' जैसे नारे लग रहे हैं। बेहतर होता कि जनरल मुनीर अपने देश की जनता को सच्चाई बताते और अतीत में हुईं अपनी ग़लतियों को स्वीकार करते। इसके बजाय उन्होंने वही बेसुरा राग अलापा, जो पाकिस्तान का हर सेना प्रमुख अलापता रहा है।

ट्वीटर टॉक

प्रख्यात संगीतविद भूपेन हज़ारिका जी की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। एक गायक और संगीतकार के रूप में अपनी विलक्षण प्रतिभा से उन्होंने भारतीय कला-संस्कृति जगत को समृद्ध किया।पूर्वोत्तर भारत के लोक संगीत के साथ ही हिंदी सिनेमा में उनका योगदान सदैव अमिट रहेगा।

-ओम बिरला

पेरिस पैरालिंपिक 2024 में भारतीय एथलीट नवदीप सिंह जी ने पुरुष जेवलिन थ्रो एफ41 इवेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण और रजत पदक जीतकर इतिहास के पन्नों में अपना नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज करने पर हार्दिक बधाई!

-दीया कुमारी

धौलपुर जिले के मनियां थाना क्षेत्र स्थित पार्वती नदी में चार बच्चियों के डूबने का समाचार सुनकर मन अत्यंत दुखी है। प्रभु श्रीराम जी दिवंगत पुण्यात्माओं को अपने परम धाम में स्थान एवं शोक संतप्त परिजनों को यह असीम दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

दुर्भावना से अहित

एक राजा ने बाग के समीप एक टूटा-फूटा मकान देखा, जो बगीचे की सुंदरता को बिगाड़ रहा था। राजा ने सेवक को वह मकान हटाने की आज्ञा दी। उस मकान में श्याम नाम का एक गरीब आदमी रहता था, जो जंगल से चंदन की लकड़ियां लाकर अपने परिवार का पेट पालता था। लकड़हारा दौड़ा-दौड़ा मंत्री के पास पहुंचा और उसको मकान गिराने वाली बात बताई। मंत्री ने लकड़हारे से पूछा, 'क्या तुम्हारे मन में कभी राजा के प्रति कोई बुरा ख्याल आता रहा है?' वह कांपता हुआ बोला, 'मंत्री जी, मेरे मन में सदा यह विचार आता था कि जिस दिन राजा मरेगा उस दिन राजा की अंत्येष्टि के लिए मेरी सारी चंदन की लकड़ियां एक ही बार में बिक जाएंगी, जिससे मुझे काफी लाभ होगा।' यह सुनकर मंत्री ने उससे कहा कि, 'यह राजा के लिए जो दुर्भावना वर्षों से तुम्हारे मन में पल रही थी, वह पलटकर अब तुम्हारे ऊपर ही आन पड़ी है। इससे राजा का तो कुछ बिगड़ा नहीं पर तुम्हारा अहित जरूर होने वाला है।' लकड़हारे की आंखें खुल गईं। उसने उसी दिन से अपने नकारात्मक विचारों को छोड़कर सभी के कल्याण की भावना मन में रखनी शुरू कर दी।

सामयिक

उम्मीदों के टूटने जैसा है विनेश का राजनीति में जाना

नृपेन्द्र अभिषेक नृप
मोबाइल : 9955818270

विनेश फोगाट, एक ऐसा नाम जिसे कुश्ती की दुनिया में खास पहचान मिली है। वह भारतीय महिला कुश्ती की सबसे चमकदार सितारों में से एक हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर चुकी हैं। अपनी मेहनत, संघर्ष, और समर्पण के चलते उन्होंने न सिर्फ कुश्ती के मैदान में सफलता पाई बल्कि करोड़ों भारतीयों के दिलों में जगह बनाई। पेरिस ओलंपिक में तो उन्हें वैश्विक स्तर पर प्यार मिला। लेकिन हाल ही में उनके राजनीति में प्रवेश करने से कुछ खेल प्रेमियों के बीच निराशा और असंतोष की भावना भी देखने को मिली है। विनेश फोगाट का नाम कुश्ती की दुनिया में बेहद सम्मान के साथ लिया जाता है। हरियाणा के फोगाट परिवार से ताल्लुक रखने वाली विनेश, जिन्होंने कुश्ती की विरासत को आगे बढ़ाया और कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया। 2014 के राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के बाद, विनेश ने लगातार अपना प्रदर्शन सुधारते हुए विश्व कुश्ती चैंपियनशिप और एशियाई खेलों में भी अपनी जगह बनाई।

विनेश की पहचान एक मजबूत और निडर खिलाड़ी के रूप में है, जिन्होंने कभी हार नहीं मानी, चाहे उनके सामने कितनी भी मुश्किलें क्यों न आई हों। 2016 के रियो ओलंपिक में घुटने की गंभीर चोट के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और इसके बाद उन्होंने जबरदस्त वापसी की। उनकी इस यात्रा ने उन्हें देशभर में एक प्रेरणास्रोत बना दिया, खासकर उन लड़कियों के लिए जो खेल में करियर बनाने का सपना देखती हैं। हालांकि, विनेश फोगाट का राजनीति में जाना एक ऐसा कदम है जिसने कई खेल प्रेमियों को आश्चर्यचकित कर दिया है। राजनीति और खेल के बीच संबंध नया नहीं है; कई खेल सितारे राजनीति में गए हैं। लेकिन विनेश फोगाट के राजनीति में प्रवेश ने खेल प्रेमियों को भावनात्मक रूप से प्रभावित किया है क्योंकि उन्हें यह उम्मीद थी कि वह आने वाले समय में भी देश के लिए और पदक जीतेंगी।

विनेश का राजनीति में जाना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उनके पास खेल और सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूकता है। उनका यह कदम राजनीति में सकारात्मक बदलाव लाने का हो सकता है। वह खेल, महिला सशक्तिकरण, और ग्रामीण विकास जैसे मुद्दों पर काम कर सकती हैं। लेकिन इस बदलाव से जो लोग उनकी कुश्ती की सफलता और भविष्य की उम्मीदों से जुड़े थे, उन्हें भारी निराशा हुई है। कुश्ती प्रेमियों और फैंस के लिए यह खबर किसी सदमे से कम नहीं थी। वे विनेश को आने वाले ओलंपिक और अन्य महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए देखना चाहते थे। कई लोग मानते हैं कि विनेश की उम्र और अनुभव उन्हें और अधिक पदक जिताने के लिए उपयुक्त बनाते हैं। उनके राजनीति में जाने से लोगों को यह चिंता सताने लगी है कि वे अब खेल से दूर हो जाएंगी और देश का एक बड़ा खेल प्रतिभा खो देगा।

खेल में विनेश की जगह कोई और ले सकता है, लेकिन उनकी खास पहचान और जुनून की बराबरी करना मुश्किल है। उनके फैंस, जो उन्हें खेल के मैदान पर देखना चाहते थे, खुद को ठगा सा महसूस कर रहे हैं। विशेषकर उन युवा खिलाड़ियों के लिए, जो विनेश को अपना आदर्श मानते थे, यह एक बड़ा झटका है। विनेश का राजनीति में प्रवेश सकारात्मक बदलाव की दिशा में देखा जा सकता है, यदि वह अपनी पहचान और अनुभव का उपयोग सामाजिक कल्याण और विकास के लिए करें। खेल और राजनीति दोनों ही समाज पर गहरा प्रभाव डालते हैं, और विनेश का यह कदम कई मायनों में एक नई शुरुआत हो सकती है। हालांकि, सवाल यह है कि क्या यह सही समय था? क्या विनेश को पहले खेल में अपने करियर को और आगे बढ़ाना चाहिए था, और फिर राजनीति में प्रवेश करना चाहिए था? यह सवाल आज कई लोगों के मन में है। उनके इस फैसले ने उनके फैंस को निराश किया है, लेकिन अगर वे राजनीति में भी उसी मेहनत और समर्पण से काम करेंगी, जैसा उन्होंने कुश्ती में किया है, तो शायद समय के साथ लोग उनके इस कदम को भी सराहना शुरू कर दें।

विनेश फोगाट का कुश्ती से राजनीति में जाना एक बड़ा बदलाव है, जो खेल प्रेमियों और उनके फैंस के लिए भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण है। उनकी सफलता की कहानी ने करोड़ों दिलों को छुआ है, और उनके इस फैसले ने उन दिलों को तोड़ भी दिया है। फिर भी, यह देखना दिलचस्प होगा कि वह राजनीति के क्षेत्र में कैसे काम करती हैं और क्या उनके इस नए सफर से देश को सकारात्मक लाभ मिलेंगे। आखिरकार, विनेश फोगाट का फैसला उनका निजी है, और हम सभी को उम्मीद है कि वे जिस भी क्षेत्र में जाएं, वहां भी अपनी चमक बिखेरेंगी, जैसा उन्होंने खेल के मैदान में किया है।

नजरिया

हमारी जिंदगानी में घुलमिल गया है प्लास्टिक कचरा

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

एक ताज़ा शोध रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दुनियाभर में भारत में सबसे अधिक प्लास्टिक कचरा निकलता है। ब्रिटेन के लीड्स विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के मुताबिक दुनिया हर साल 5.7 करोड़ टन प्लास्टिक प्रदूषण पैदा करती है। शोध के मुताबिक भारत दुनिया में प्लास्टिक कचरे का सबसे अधिक उत्पादन करता है। यहां एक साल में 1.02 करोड़ टन प्लास्टिक कचरा पैदा होता है, जो दूसरे सबसे बड़े प्लास्टिक कचरा उत्पादक के मुकाबले दो गुना से भी अधिक है। शोधकर्ताओं ने अध्ययन के लिए दुनिया भर के 50 हजार से अधिक शहरों और कस्बों में स्थानीय स्तर पर उत्पादित कचरे की जांच की है। इस अध्ययन के दौरान ऐसे प्लास्टिक की जांच की गई जो खुले वातावरण में जाता है। दुनिया की 15 प्रतिशत आबादी से सरकार प्लास्टिक कचरा इकट्ठा करने और निपटाने में विफल रहती है, वहीं इस 15 फीसदी आबादी में भारत के 25.5 करोड़ लोग शामिल हैं।

कचरा पूरी दुनिया के लिए एक वैश्विक समस्या है। भारत की बात करें तो आज घर घर में प्लास्टिक ने अपना कब्ज़ा जमा लिया है। कचरा में प्लास्टिक सबसे खतरनाक माना जाता है। प्लास्टिक कचरा से हर देश परेशान है। सरकार के लाख प्रतिबंदों के बावजूद हमारा फ्री प्लास्टिक का सपना पूरा नहीं हो रहा है और इसका एक मात्र कारण इसका सस्ता, टिकाऊ और हल्का होना है। पॉलीथिन के उपयोग पर प्रतिबंध के बाद भी इसका असर दिखाई नहीं दे रहा है। हर जगह पॉलीथिन का उपयोग हो रहा है। किराना सामान खरीदना हो या फिर सब्जी, फल हों या अन्य सामग्री, हर जगह अमानक स्तर की पॉलीथिन उपयोग की जा रही है। पर्यावरण को सबसे अधिक नुकसान प्लास्टिक कचरा से पहुंचता है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्लास्टिक बैग का इस्तेमाल औसतन 25 मिनट तक होता है। प्लास्टिक की थैलियों को नष्ट होने में एक शताब्दी से 500 वर्ष तक का समय लगता है। दुनिया भर में हर मिनट दस लाख प्लास्टिक बैग का इस्तेमाल होता है। अस्सी प्रतिशत समुद्री कूड़ा-कचरा प्लास्टिक है। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार, हर साल लाखों टन प्लास्टिक का उत्पादन होता है जो हमारे पर्यावरण को प्रभावित करता है। पैकेजिंग क्षेत्र दुनिया में एकल उपयोग प्लास्टिक कचरे का सबसे बड़ा उत्पादक है। उत्पादित प्लास्टिक का लगभग 36 प्रतिशत पैकेजिंग में उपयोग किया जाता है, जिनमें से 85 प्रतिशत लैंडफिल या कुप्रबंधित कचरे के रूप में समाप्त हो जाते हैं। औद्योगिक क्षेत्र से 100 मिलियन पाउंड का प्लास्टिक समुद्र में प्रवेश करता है। कपड़ों में बनी 60 प्रतिशत सामग्री प्लास्टिक है। अकेले कपड़े धोने से हर साल लगभग 500000 टन प्लास्टिक माइक्रोफाइबर समुद्र में छोड़े जाते हैं। इससे पता चलता है कि हमें अपने पर्यावरण को प्लास्टिक प्रदूषण से बचाने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी।केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने आगामी एक जुलाई से प्लास्टिक के बने तमाम उपयोगी सामान जैसे पॉलिथीन, गिलास, कांटे-चम्मच, कप, प्लेट समेत तमाम चीजों के उपयोग पर बैन करने का निर्णय किया है। पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले प्लास्टिक के झंडों से लेकर ईयरबड तक पर एक जुलाई से पाबंदी होगी। वर्तमान में बंदिश के बावजूद हर जगह उपलब्ध होने वाली पॉलीथिन पूरे जीव-जगत पर संकट खड़ा कर रही है। फिर भी लोग इसके उपयोग से गुरेज नहीं कर रहे हैं। यह पर्यावरण के साथ पूरे पारिस्थितिकी तंत्र के लिए घातक है। गली-कूचों से लेकर हर ओर पॉलीथिन फेंके पड़े रहते हैं।

पीने के पानी से लेकर खाने की प्लेट तक प्लास्टिक हमारी जिंदगी का अभिन्न हिस्सा बन गया है। प्लास्टिक सस्ता और आसानी से उपलब्ध होने वाला विकल्प है। इसलिए हमारी रोजमर्रा की चीजें या तो प्लास्टिक से बनी होती हैं या उनके निर्माण में प्लास्टिक की भूमिका होती है। केन्द्रीय पर्यावरण नियन्त्रण बोर्ड के एक अध्ययन के मुताबिक एक व्यक्ति एक साल में 6 से 7 किलो प्लास्टिक कचरा बिखेरता है। इस प्लास्टिक कचरे से नालियां बंद हो जाती है, धरती की उर्वरा शक्ति खत्म हो जाती है, भूगर्भ का जल अपेय बन जाता है, रंगीन से कैंसर जैसे असाध्य रोग हो जाते हैं। आज वैश्विक स्तर पर प्रतिव्यक्ति प्लास्टिक का उपयोग जहां 18 किलोग्राम है वहीं इसका रिसायक्लिंग मात्र 15.2 प्रतिशत ही है। प्लास्टिक प्रदूषण मानव जीवन के समक्ष एक बड़े खतरे के रूप में उभरा है।

वर्तमान में प्लास्टिक प्रदूषण एक गंभीर समस्या बन गया है। दुनिया भर में अरबों प्लास्टिक के बैग हर साल फेंके जाते हैं। ये प्लास्टिक बैग नालियों के प्रवाह को रोकते हैं और आगे बढ़ते हुए वे नदियों और महासागरों तक पहुंचते हैं। चूंकि प्लास्टिक स्वाभाविक रूप से विघटित नहीं होता है इसलिए यह प्रतिकूल तरीके से नदियों, महासागरों आदि के जीवन और पर्यावरण को प्रभावित करता है। प्लास्टिक प्रदूषण के कारण लाखों पशु और पक्षी मारे जाते हैं जो पर्यावरण संतुलन के मामले में एक अत्यंत चिंताजनक पहलू है। आज हर जगह प्लास्टिक दिखता है जो पर्यावरण को दूषित कर रहा है। जहां कहीं प्लास्टिक पाए जाते हैं वहां पृथ्वी की उपजाऊ शक्ति कम हो जाती है और जमीन के नीचे दबे दाने वाले बीज अंकुरित नहीं होते हैं तो भूमि बंजर हो जाती है। प्लास्टिक नालियों को रोकता है और पॉलीथीन का ढेर वातावरण को प्रदूषित करता है। चूंकि हम बचे खाद्य पदार्थों को पॉलीथीन में लपेट कर फेंकते हैं तो पशु उन्हें ऐसे ही खा लेते हैं जिससे जानवरों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है यहां तक कि उनकी मौत का कारण भी।

नजरिया

क्यों युवा और कारोबारी कर रहे खुदकुशी?

आर.के. सिन्हा

बीते सालों की तरह इस बार भी सारे देश ने 5 सितंबर को गर्मजोशी से अध्यापक दिवस मनाया। सोशल मीडिया पर तो अध्यापकों का उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए विशेष रूप से आभार व्यक्त किया जा रहा था। पर अब सुधी अध्यापकों, मनोचिकित्सकों और अन्य जागरूक नागरिकों को यह भी सोचना होगा कि नौजवानों का एक बड़ा वर्ग निराशा और नाकामयाबी की स्थितियों में अपनी जीवनलीला खत्म करने पर क्यों आमादा है। अब शायद ही कोई दिन ऐसा गुजरता हो जब अखबारों में किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले युवा के खुदकुशी करने संबंधी दिल दहलाने वाला समाचार ना छपता हो। यह बेहद गंभीर मसला है और इस पर सारे देश को सोचना होगा। इसी तरह से आजकल बिजनेस में घाटा होने के कारण भी आत्म हत्या करने वालों की तादाद लगातार बढ़ती ही चली जा रही है। अभी कुछ दिन पहले एक साइकिल बनाने वाली मशहूर कंपनी के अरबपति मालिक ने भी खुदकुशी कर ली थी।

पिछले साल 6 दिसंबर को लोकसभा में बताया गया था कि देश में 2019 से 2021 के बीच 35,000 से ज़्यादा छात्रों ने आत्महत्या की। छात्रों के खुदकुशी करने के मामले 2019 में 10,335 से बढ़कर 2020 में 12,526 और 2021 में 13,089 हो गए। इसमें कोई शक नहीं है किसी भी हालत में किसी खास परीक्षा में सफल होने के लिए माता-पिता, अध्यापकों और समाज का भारी दबाव और अपेक्षाएं छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर घातक प्रभाव डाल रही हैं। राजस्थान का एक शहर है कोटा। यहां पर हर साल एक अनुमान के मुताबिक, हजारों नहीं लाखों छात्र-छात्राएँ देश के शीर्ष कॉलेजों में से एक में प्रवेश पाने की उम्मीद में कोटा पहुंचते हैं। इनके जीवन का एक ही लक्ष्य होता है कि किसी तरह से आईआईटी/एनआईटी या मेडिकल की प्रवेश परीक्षा को क्रैक कर लिया जाए।

आप कोटा या फिर देश के किसी भी अन्य शहर में चले जाइये जहां पर मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों के साथ-साथ सिविल सेवाओं वगैरह के लिए कोचिंग संस्थान चल रहे हैं। वहां पर छात्र अत्यधिक दबाव और असफलता के डर से मनोवैज्ञानिक रूप से बहुत कष्ट की स्थिति में हैं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल कहते हैं कि हमें खुदकुशी के बढ़ते मामलों पर सिर्फ चिंता ही व्यक्त नहीं करनी। हमें इसे रोकना ही होगा।

हमने युवाओं, कारोबारियों और अन्य लोगों के आत्म हत्या करने के कारणों और इस समस्या के हल तलाशने के लिए विश्व आत्महत्या निवारण दिवस (12 सितंबर) को राजधानी दिल्ली में एक महत्वपूर्ण सेमिनार का भी आयोजन किया है, जहां पर मनोचिकित्सक, पत्रकार और सोशल वर्कर अपने अनुभवों के आधार पर अपने पेपर पढ़ेंगे। उन निष्कर्षों के बाद हम आगे की रणनीति बनाएँगे। कुछ कोचिंग सेंटर चलाने वाले भी इस तरह के प्रयास तो कर रहे हैं ताकि छात्र बहुत दबाव में न रहें। राजधानी के एक कोचिंग सेंटर के प्रमुख ने बताया कि हम छात्रों की लगातार काउंसलिंग भी करते रहते हैं। उनके अभिभावकों के भी संपर्क में रहते हैं। कहा जाता है कि भारत में दुनिया भर में सबसे अधिक युवा आत्महत्या दर है। इस बीच, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार, 2020 में हर 42 मिनट में एक छात्र ने अपनी जान दे दी। यह आंकड़ा सच में डराता है।

देखिए, नौजवानों को बिल्कुल रीलेक्स माहौल देना होगा माता-पिता और उनके अध्यापकों को, ताकि वे बिना किसी दबाव में पढ़ें या जो भी करना चाहते हैं, करें। हरियाणा के सोनीपत में सेंट स्टीफंस कैम्ब्रिज स्कूल चलाने वाली दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी (डीबीएस) के अध्यक्ष और सोशल वर्कर ब्रदर सोलोमन जॉर्ज कहते हैं कि हम पूरी तरह से सुनिश्चित करते हैं कि हमारे स्कूल या सेंट स्टीफंस कॉलेज में पढ़ने वाले बच्चे बिना किसी दबाव में पढ़े-लिखे। हम अपने अध्यापकों की भी क्लास लेते हैं कि किसी भी बच्चे के साथ कक्षा में उसकी जाति न पूछी जाए और या न ही उसके पिता की आय। कुछ गैर-जिम्मेदार अध्यापक अपने विद्यार्थियों से इस तरह के गैर-जरूरी सवाल पूछते हैं। फिर वे एक ही कक्षा में पढ़ने वाले बच्चों की एक-दूसरे से तुलना भी करने लगते हैं।

इस कारण वे जाने-अनजाने एक बच्चे को बहुत सारे बच्चों को कमजोर साबित कर देते है। जाहिर है, इस वजह से उस छात्र पर बहुत नकारात्मक असर पड़ता है जो कमतर साबित कर दिया गया होता है। इसी तरह के बच्चे कई बार निराशा और अवसाद में डूब जाते हैं। देखिए बच्चे को पालना एक बीस वर्षीय प्लान है। कौन नहीं चाहता कि उसका बच्चा समाज में ऊंचा मुकाम हासिल करे, शोहरत-नाम कमाए? पर इन सबके लिए ज़रूरी है कि बच्चे को उसकी काबिलियत और पसंद के अनुसार मनचाहा करियर चुनने की आज़ादी भी दी जाए। यह एक कड़वा सच है कि हमारे समाज में सफलता का पैमाना अच्छी नौकरी, बड़ा घर और तमाम दूसरी सुख-सुविधाएं ही मानी जाती है।अफसोस कि हम भविष्य के चक्कर में अपने बच्चों को आत्महत्या जैसे कदम उठाने पर मजबूर करने लगे हैं। ब्रदर सोलोमन जॉर्ज कहते हैं कि हम अपने यहां बच्चों को इस बात के लिए तैयार करते हैं कि वे कठिन परिस्थितियों का भी सामना करें। असफलता से हार मान लेने से जीवन नहीं चलता। यह तो कायरता है। महान कवि पद्मभूषण डॉ. गोपाल दस नीरज की पंक्तियाँ याद आ रही हैं, छुप-छुप अश्रु बहाने वालों, जीवन व्यर्थ लुटाने वालों, इक सपने के मर जाने से, जीवन नहीं मरा करता हैं। सफलता और असफलता का चक्र तो चला करता है। उसे स्वीकार करने में ही भला है।

जैसा कि मैंने ऊपर जिक्र किया कि बीते दिनों एक अरबपति बिजनेसमैन ने राजधानी के अपने भव्य बंगले में गोली मारकर सुसाइड कर लिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। कहा जा रहा है कि बिजनेस में नुकसान होने के कारण ही साइकिल बनाने वाली कंपनी के मालिक ने आत्महत्या की। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों से पता चला है कि 2020 में, जब कोविड- की लहर ने व्यापार को तबाह कर दिया था, तब 11,716 व्यापारियों ने आत्महत्या की थी, जो 2019 की तुलना में 29 प्रतिशत अधिक थी, जब 9,052 व्यापारियों ने अपनी जान ले ली थी।

कर्नाटक में 2020 में व्यवसायियों द्वारा आत्महत्या से सबसे अधिक मौतें (1,772) दर्ज की गईं - जो 2019 से 1037 अधिक है, जब राज्य में 87 प्रतिशत व्यवसायियों ने अपनी जान ले ली थी। महाराष्ट्र में 1,610 व्यवसायियों ने आत्महत्या की, जो पिछले वर्ष से 25 प्रतिशत अधिक है, और तमिलनाडु में 1,447 की मृत्यु हुई, जो 2019 से 36 प्रतिशत अधिक है। यह सबको पता है कि भारत के व्यवसायी समुदाय का बड़ा हिस्सा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों से जुड़ा है, जो बड़े झटकों को सहन नहीं कर पाता है। इसके चलते कई कारोबारियों ने कर्ज में डूबने या बिजनेस में नुकसान के कारण आत्महत्या कर ली। लब्बो लुआब यह है कि भारत में युवाओं और कारोबारियों के साथ-साथ अन्य लोगों के आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं को भी प्रभावी ढंग से रोकना ही होगा।

(लेखक पूर्व सांसद हैं)

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत, अमेरिका के बीच संबंधों को 'और मजबूत' करने के लिए अमेरिका पहुंचे राहुल

ह्यूस्टन/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी तीन दिवसीय यात्रा पर रविवार को अमेरिका पहुंचे। इस दौरान, राहुल भारत और अमेरिका के बीच संबंधों को और मजबूत करने के लिए सार्थक एवं गहन बातचीत करेंगे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल ने 'फेसबुक' पर एक पोस्ट में कहा, अमेरिका के टेक्सास प्रांत के डलास में भारतीय प्रवासियों और इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के सदस्यों ने गर्मजोशी से मेरा स्वागत किया, जिससे मैं वास्तव में बहुत प्रसन्न हूं।

अमेरिका आगमन की कुछ तस्वीरें साझा करते हुए राहुल ने कहा, मैं इस यात्रा के दौरान सार्थक चर्चाओं और गहन बातचीत में शामिल होने के लिए उत्सुक हूं, जिससे दोनों देशों के बीच संबंध और मजबूत होंगे।वहीं, कांग्रेस पार्टी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि राहुल का डलास फोर्ट वर्थ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गर्मजोशी और उत्साह से स्वागत किया गया।

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने पिछले हफ्ते कहा था कि राहुल अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर नहीं आ रहे हैं, लेकिन इस दौरान उन्हें कैपिटल हिल (अमेरिकी संसद भवन) में विभिन्न लोगों से 'व्यक्तिगत तौर' पर बातचीत करने का मौका मिलेगा। पित्रोदा ने कहा था, राहुल राष्ट्रीय प्रेस क्लब में पत्रकारों के साथ बातचीत करेंगे, वह थिंक टैंक के लोगों से मिलेंगे और जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय में लोगों से मुखातिब होंगे, जिसका वाशिंगटन में भी उतना ही महत्व है।

राहुल आठ से 10 सितंबर तक अमेरिका की यात्रा पर रहेंगे। यह लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद संभालने के बाद उनकी पहली अमेरिकी यात्रा है।

सरकार के साथ नहीं करूंगा समझौता : इमरान खान

लाहौर/भाषा

जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने रविवार को कहा कि वह अपना पूरा जीवन जेल में बिताने के लिए तैयार हैं, लेकिन 'हकीकी आजादी'(वास्तविक स्वतंत्रता) के लिए अपने संघर्ष से समझौता नहीं करेंगे। इमरान को जेल में बंद हुए 400 दिन पूरे हो गए हैं। पूर्व क्रिकेटर से राजनेता बने इमरान खान (71) की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी ने जेल से उनकी रिहाई के लिए सरकार पर दबाव बनाने के लिए रविवार को इस्लामाबाद में एक रैली आयोजित की। इमरान को पिछले साल पांच अगस्त को तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद गिरफ्तार किया गया था। तब से वह अलग-अलग मामलों में जेल में बंद हैं।

तोशाखाना भ्रष्टाचार मामला पाकिस्तान के चुनाव आयोग की ओर से दायर किया गया था।

पाकिस्तान सरकार के मंत्रियों का कहना है कि इमरान की आजादी दंगों के लिए उनकी बिना शर्त माफी से जुड़ी है, जिसमें पीटीआई कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर राज्य और सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला किया था। हालांकि, इमरान नौ मई 2023 की हिंसा की जांच के लिए एक न्यायिक आयोग के गठन की मांग कर रहे हैं। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के वरिष्ठ नेता असगर गुर्जर ने रविवार को कहा, आज इमरान खान को जेल में 400 दिन पूरे हो गए, लेकिन सत्ताधारी हकीकी आजादी के उनके संकल्प को नहीं तोड़ पाए। पूरा देश उनके पीछे खड़ा है और वे जल्द ही जेल से बाहर आएंगे। गुर्जर ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि इस्लामाबाद में आज की ऐतिहासिक रैली पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज की इस 'फर्जी सरकार' के लिए आंख खोलने वाली होगी, जो अब खान को हिरासत में नहीं रख सकती।

दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह के घर आई लक्ष्मी

नई दिल्ली/भाषा। बॉलीवुड के मशहूर दंपति दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह रविवार को एक बेटी के माता-पिता बन गए। ''राम-लीला, बाजीराव मस्तानी'' और ''83'' जैसी फिल्मों में एक साथ अभिनय कर चुके इस दंपति ने अपने पहले बच्चे के आगमन का समाचार अपने प्रशंसकों के साथ साझा किया। दीपिका को एक दिन पहले ही मुंबई के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक संयुक्त पोस्ट में यह खबर साझा की। इसमें कहा गया है, स्वागत है बेबी गर्ल। आठ सितंबर 2024।

आलिया भट्ट, अर्जुन कपूर और अनन्या पांडे समेत फिल्म उद्योग की कई हस्तियों ने सोशल मीडिया पर दीपिका और रणवीर को बधाई दी। भट्ट ने दंपति के पोस्ट के 'कमेंट सेक्शन' में प्यार और जश्न दर्शाने वाले कई इमोजी साझा किए। अर्जुन कपूर ने कहा, लक्ष्मी आई है। रानी आई है। अनन्या पांडे ने कहा, बेबी गर्ल। बधाई। श्रद्धा कपूर, कृति सैनन, शारवरी, सोनाक्षी सिन्हा और संजय कपूर ने भी दीपिका और रणवीर को बधाई दी है। दीपिका (38) और रणवीर (39) ने शुक्रवार को गणेश चतुर्थी की पूर्व संध्या पर

सिद्धिविनायक मंदिर में पूजा-अर्चना की थी।

दोनों ने इटली के लेक कोमो में 2018 में शादी की थी जिसमें करीबी लोग शामिल हुए थे। उन्होंने दीपिका के गर्भवती होने के बारे में फरवरी में घोषणा की थी। दीपिका और रणवीर अब रोहित शेट्टी के निर्देशन वाली ''सिंघम अगेन'' में विशेष भूमिका में दिखाई देंगे। यह फिल्म दिवाली के आसपास रिलीज होगी।

डोभाल ब्रिक्स बैठक में भाग लेने रूस जाएंगे; यूक्रेन संघर्ष पर भी चर्चा होने की संभावना

नई दिल्ली/भाषा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मॉस्को और कीव यात्राओं के बाद यूक्रेन संघर्ष का समाधान खोजने में भारत की संभावित भूमिका की मांग की पृष्ठभूमि में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल इस सप्ताह रूस की यात्रा पर जा रहे हैं।

डोभाल मुख्य रूप से ब्रिक्स (ब्राजील-रूस-भारत-चीन-दक्षिण अफ्रीका) समूह के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के सम्मेलन में भाग लेने के लिए रूस जा रहे हैं। यह बैठक रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग समाप्त करने के लिए दोनों देशों के बीच शांति वार्ता को लेकर नए सिरे से जारी प्रयासों के बीच हो रही है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि एनएसए डोभाल ब्रिक्स बैठक के लिए रूस जा रहे हैं।

ऐसी संभावना है कि वह अपने रूसी समकक्ष के साथ बातचीत भी करेंगे और क्षेत्र में शांति लाने के तरीकों पर विमर्श करेंगे।

डोभाल की रूस यात्रा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यूक्रेन की राजधानी कीव की हाई-प्रोफाइल यात्रा के ढाई सप्ताह बाद हो रही है।

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने शनिवार को यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ अपनी वार्ता के बाद कहा कि भारत और चीन इस संघर्ष का समाधान खोजने में भूमिका निभा सकते हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी बृहस्पतिवार को रूसी शहर व्लादिवोस्तोक में पूर्वी आर्थिक मंच में एक पैनल चर्चा में कहा था कि भारत, ब्राजील और चीन मध्यस्थों के रूप में रूस-यूक्रेन संघर्ष के समाधान में अपनी भूमिका निभा सकते हैं।

उनकी यह टिप्पणी उस वक्त आई जब उनसे पूछा गया कि वे कौन से देश हैं जो रूस औ यूक्रेन के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभा सकते हैं। तेईस अगस्त को मोदी की यूक्रेन की लगभग नौ घंटे की यात्रा, 1991 में यूक्रेन की स्वतंत्रता के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा थी। प्रधानमंत्री की यूक्रेन की यह यात्राा मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ मोदी की शिखर वार्ता के छह सप्ताह बाद हुई। भारत यह कहता रहा है कि यूक्रेन संघर्ष को बातचीत और कूटनीति के माध्यम से हल किया जाना चाहिए।

तुषार के साथ गणपति आरती में शामिल हुईं एकता कपूर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता तुषार कपूर अपने बेटे लक्ष्य कपूर, बहन एकता कपूर और उनके बेटे रवि के साथ गणपति आरती में शामिल हुए। तुषार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह धोती पहने हुए गणपति की आरती करते हुए नजर आ रहे हैं। एकता और बच्चे अभिनेता के साथ खड़े हुए दिखाई दे रहे हैं। अभिनेता ने पोस्ट को कैप्शन दिया, ''वह फिर से वापस आ गए हैं, हमें वह सब कुछ देने के लिए जो हम अपने और अपने परिवार के लिए चाहते हैं। उनकी दिव्य शक्ति हमारे भ्रमित विचारों पर हावी हो, और वो हमें हर क्षेत्र में अपना सर्वश्रेष्ठ रूप बनने की बुद्धि प्रदान करें!

अभिनेता हाल ही में दस जून की रात में नजर आए थे। इसमें उनका किरदार एक ऐसे व्यक्ति का है जिसकी किस्मत बेहद खराब है। जो अपने पिता के थिएटर को फिर से खोलने के लिए काम कर रहा है।

तुषार ने कहा, मैं अच्छे भाग्य और बुरे भाग्य में विश्वास करता हूं। हम इस दुनिया में कुछ कर्मों के साथ आए हैं। कुछ लोग कड़ी मेहनत करते हैं, लेकिन उन्हें एक निश्चित सीमा से अधिक लाभ नहीं मिल पाता, क्योंकि हमेशा कुछ न कुछ बाधाएं उनके रास्ते में आती रहती हैं। इसके अलावा कभी-कभी, लोग इतने मेहनती नहीं होते, लेकिन चीजें उन्हें आसानी से मिल जाती है।'' उन्होंने आगे कहा, ''भाग्य यह आपके लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए आवश्यक समय को कम कर सकता है या देरी कर सकता है। मेरा मानना ङ्कङ्कहै कि यह सब आपके कर्म से जुड़ा है।''

रिलीज हुआ 'कुबेर' का पोस्टर, लुक को लेकर चर्चा में धनुष और नागार्जुन

मुंबई/एजेन्सी

शनिवार को गणेशोत्सव के अवसर पर आगामी फिल्म 'कुबेर' का नया पोस्टर जारी किया गया। पोस्टर में सुपरस्टार धनुष और नागार्जुन अक्किनेनी एक ही दिशा में देखते हुए नजर आ रहे हैं। पोस्टर के अनुसार दोनों बिल्कुल अलग दुनिया के लग रहे हैं। फिल्म के निर्माताओं ने पोस्टर को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, टीम की ओर से सभी को गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएं। बेहतरीन फिल्म 'कुबेर' को देखने के लिए तैयार हो जाइए। पोस्टर में धनुष पूरी दाढ़ी, लंबे बाल के साथ एक नए लुक में नजर आ रहे हैं, जो उनके किरदार की यात्रा के बारे में जिज्ञासा को जगाता है, वहीं नागार्जुन अक्किनेनी अपनी उपस्थिति के जरिये चौंकाते हैं। उनकी प्रभावशाली अभिव्यक्ति कथानक के इर्द-गिर्द रहस्य को और गहरा कर देती है।

पोस्टर पूरी तरह से एक मनोरंजक कहानी के लिए माहौल तैयार करता है, जो इन नायकों की विपरीत दुनिया की झलक पेश करता है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित 'कुबेर' एक सामाजिक-ड्रामा है और इसे तमिल और तेलुगु दोनों में बड़े पैमाने पर फिल्माया गया है। फिल्म के आकर्षण को बढ़ाते हुए, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संगीत निर्देशक देवी श्री प्रसाद इसका साउंडट्रैक तैयार करेंगे। इसमें रश्मिका मंदाना और जिम सर्भ भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। पहले, निर्माताओं ने धनुष के अकेले पोस्टर का अनावरण किया था। उन्हें दाढ़ी के साथ देखा जा सकता है और वह एक दीवार के खिलाफ खड़े होकर कैमरे में देखकर मुस्कुरा रहे हैं। दीवार पर भगवान शिव को अपनी पत्नी पार्वती के रूप अन्नपूर्णा से भिक्षा लेते हुए दिखाया गया है। यह फिल्म धनुष और शेखर कम्मुला के बीच पहला प्रोजेक्ट है जो 'हैप्पी डेज', 'लव स्टोरी' और 'गोदावरी' जैसी तेलुगु फिल्मों के लिए जाने जाते हैं।

बिग बी ने कहा, 'काम का हर दिन मेरे लिए नई सीख है'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के मेगास्टार अमिताभ बच्चन ऊर्फ बिग बी का कहना है कि उनके लिए हर दिन कुछ न कुछ सीखने वाला होता है। उनके जीवन का हर एक दिन एक ऐसे नए पहलू से उन्हें रूबरू कराता है, जो जीवन और जीने की वास्तविकता को एक नया रंग देता है।

बिग बी ने अपने ब्लॉग पर लिखा, काम का प्रत्येक दिन मेरे लिए सीख है... सिर्फ काम ही नहीं, बल्कि एक और दिन ऐसे तत्वों से भरा है जो हमें जीवन और जीने की वास्तविकता के करीब लाता है। उन्होंने आगे बताया, प्रत्येक दिन हम जीवन को देखते हैं और जानते हैं और कभी-कभी हमारी आंखों में आश्चर्य होता है... देखें कि आप कहां हैं, और आपके भीतर क्या है। किसी नुकसान पर विलाप करने का कोई मतलब नहीं है। इसे स्वीकार करें और अपने और अपने ऊपर निर्भर लोगों के लिए बेहतर जीवन जीने के लिए मेहनत करें। आपकी ताकत आपके भीतर है और केवल आप ही अपनी जरूरत के हिसाब से इसका उपयोग कर सकते हैं।

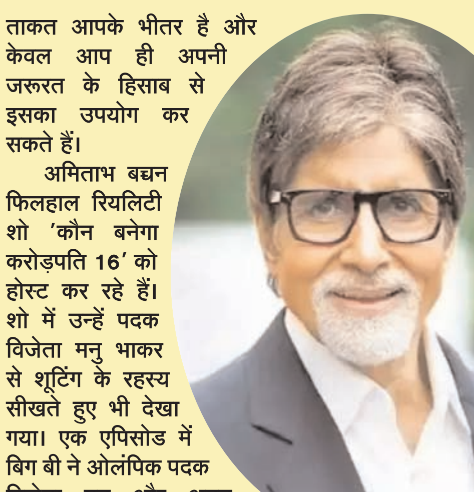

अमिताभ बच्चन फिलहाल रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति 16' को होस्ट कर रहे हैं। शो में उन्हें पदक विजेता मनु भाकर से शूटिंग के रहस्य सीखते हुए भी देखा गया। एक एपिसोड में बिग बी ने ओलंपिक पदक विजेता मनु और अमन सहरावत का तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत किया और उनकी ऐतिहासिक जीत पर उन्हें बधाई दी। इस दौरान मनु ने ओलंपिक के मंच पर अपने प्रदर्शन पर भी बात की और बताया कि कैसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने कभी उम्मीद नहीं खोई।

शो के होस्ट अमिताभ बच्चन ने कहा, मुझे आश्चर्य होता था कि शूटर शॉट लेने के बाद इतना लंबा इंतजार क्यों करते हैं। मुझे तब तक समझ नहीं आया जब तक अभिषेक बच्चन ने मुझे नहीं बताया कि वे अपनी सांस और हृदय गति को नियंत्रित कर रहे हैं, इसलिए उन्हें समय लगता है।

तकनीकों के बारे में बात करते हुए मनु ने कहा, शुरुआत में, एक मजबूत आधार होना महत्वपूर्ण है, और यह हर चीज पर लागू होता है। बहुत से लोग सोचते हैं कि शूटिंग सरल है। बस पिस्तौल उठाओ और निशाना लगाओ, लेकिन यह उससे कहीं अधिक मुश्किल है। मुकाबले के दौरान, हमारी हृदय गति बढ़ जाती है, लेकिन हमें शांत रहना होता है, भले ही हम चिंतित महसूस कर रहे हों।

एकाग्रता बनाए रखना और बेचैनी या घबराहट को नियंत्रित करना काफी मुश्किल होता है। इसलिए मैं योग, सूर्य नमस्कार और ध्यान पर बहुत ज्यादा निर्भर करती हूं। मैं इस दिनचर्या का सख्त अनुशासन के साथ पालन करती हूं।

उन्होंने बताया कि वह 4:8 श्वास तकनीक का भी उपयोग करती हैं। इसका मतलब होता है चार सेकंड तक सांस लेना और आठ सेकंड तक सांस छोड़ना। उन्होंने कहा, अभ्यास के जरिए इस पर महारत हासिल करने से मेरी हृदय गति सामान्य हो जाती है। मैचों के दौरान, जब निशाना लगाते समय घबराहट के कारण हमारे हाथ कांपते हैं, तो यह तकनीक मुझे शांत और केंद्रित रहने में मदद करती है।

दिलजीत दोसांझ ने 'बार्डर 2' का टीजर सोशल मीडिया पर शेयर किया

मुंबई/एजेन्सी

पंजाबी फिल्मों के सुपरस्टार गायक-अभिनेता दिलजीत दोसांझ ने अपनी आने वाली फिल्म बार्डर 2 का टीजर सोशल मीडिया पर शेयर किया है। जेपी दत्ता निर्मित निर्देशित वर्ष 1997 में प्रदर्शित फिल्म बार्डर में सनी देओल, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ और अक्षय खन्ना जैसे कलाकार अहम भूमिका में थे। करीब 27 साल बाद बॉर्डर का सीक्वल बनने जा रहा है। फिल्म बार्डर 2 में सनी देओल की मुख्य भूमिका होगी। अभी हाल ही में बॉर्डर 2 में वरुण धवन की एंट्री हुयी थी।अब बार्डर 2 की स्टार कास्ट में दिलजीत दोसांझ भी शामिल हो गये हैं। दिलजीत दोसांझ ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर फिल्म बॉर्डर 2 का टीजर शेयर किया है।

टीजर शेयर करते हुए दिलजीत दोसांझ ने लिखा है, पहली गोली दुश्मन चलाएगा और आखिरी गोली हम! इतनी दमदार टीम के साथ खड़े होने पर सम्मानित महसूस कर रहा हूं और सैनिक बनने के लिए तैयार हूं। बार्डर 2 दिलजीत दोसांझ ने जो टीजर शेयर किया है, उसमें सबसे पहले सोनू निगम की आवाज़ में 'संदेशे आते हैं'गाने के बोल सुनाई देते हैं। वहीं उसके बाद दिलजीत दोसांझ की आवाज में डायलॉग सुनाई पड़ता है। जिसमें वो कहते हैं, इस देश की तरफ उठने वाली हर नज़र झुक जाती है खौफ से, इन सरहदों पर जब गुरु के पास पहरा देते हैं।वहीं टीजर में इंग्लिश में लिखकर आता है, बहादुरों में सबसे बहादुर, सबसे बड़ी वॉर के लिए साथ आ रहे हैं।

फिल्म बार्डर 2 का निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी दत्ता और निधि दत्ता कर रहे हैं और इसका निर्देशन अनुराग सिंह करेंगे।'बॉर्डर 2' 23 जनवरी 2026 को रिलीज होगी

करीना कपूर खान ने द बकिंघम मर्डर्स की शूटिंग के अनुभव किए साझा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान फिल्म द बकिंघम मर्डर्स की शूटिंग कर रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस बात का खुलासा किया है और कई तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, हॉट बैग (एक तरह की जैकेट) ने मुझे हर मौसम में शूटिंग से बचाया है। पहली तस्वीर में करीना ने एक मोटी बॉम्बर जैकेट पहनी हुई है। दूसरी तस्वीर मोनोक्रोम है, जिसमें वह स्वेटर और पैंट पहने हुए मुस्कुराती हुई दिखाई दे रही हैं। आखिरी तस्वीर में अभिनेत्री ने एक हॉट बैग पकड़ा हुआ है। फिल्म द बकिंघम मर्डर्स का निर्देशन हंसल मेहता ने किया है। मेहता 'अलीगढ़', 'शाहिद' और 'स्कैम 1992: द हर्षद मेहता स्टोरी' जैसी फिल्मों का निर्देशन करने के लिए जाने जाते हैं। फिल्म में रणवीर बरार, ऐश टंडन, रणवीर बरार और कीथ एलन भी हैं। यह फिल्म जसमीत भामरा नामक ब्रिटिश-भारतीय जासूस की कहानी है, जिसने हाल ही में अपने बच्चे को खो दिया है।

'वसुधा' में अपनी भूमिका के लिए राजस्थानी बोली सीख रही हैं प्रिया ठाकुर

मुंबई/एजेन्सी

शो 'वसुधा' में मुख्य भूमिका निभा रही अभिनेत्री प्रिया ठाकुर अपने किरदार में जान डालने के लिए राजस्थानी बोली सीख रही हैं। 'झीलों के शहर'-उदयपुर में शूटिंग के दौरान प्रिया ने खुद को स्थानीय संस्कृति के रंग में रंग लिया। वह राजस्थानी बोली को समझने के लिए आम लोगों से बात करती नजर आईं। उसी के बारे में बात करते हुए प्रिया ने कहा, मैं वसुधा का किरदार निभाने के लिए बहुत उत्सुक हूं। मुझे किरदार और उसका लुक बहुत पसंद है। एक कलाकार के रूप में चरित्र और बोली पर मजबूत पकड़ होनी जरूरी है। वसुधा के किरदार में प्रामाणिकता लाने के लिए उस बोली में महारत हासिल करना महत्वपूर्ण है।''

आगे उन्होंने कहा, '' मेरे लिए उदयपुर में यात्रा करना, स्थानीय लोगों के साथ जुड़ना और उनके जीवन के तरीके में खुद को शामिल करना अविश्वसनीय रूप से फायदेमंद रहा है। लोगों की वास्तविक गर्मजोशी और आतिथ्य ने उनके साथ मेरे जुड़ाव को आसान बनाया और मुझे उनकी बोली की बारीकियों को समझने में मदद की।

उन्होंने आगे कहा, मैंने 'खम्मा घानी' (अभिवादन), और 'तू किसो है' (आप कैसे हैं?) जैसे प्रमुख वाक्यांश सीखे हैं और साथ ही 'राम राम सा' (एक पारंपरिक अभिवादन) जैसी सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां भी सीखी हैं, 'पधारो सा' (कृपया आएं) और भी बहुत कुछ सीखा है।'' प्रिया ने आगे कहा, मैं राजस्थानी बोली को बेहतर बनाने और उस पर अपनी पकड़ बनाने के लिए अपनी टीम के साथ लगातार काम कर रही हूं। मैं अपने प्रदर्शन में इस प्रामाणिकता को शामिल करने के लिए रोमांचित हूं और उम्मीद करती हूं कि दर्शक इसकी सराहना करेंगे।'' 'वसुधा' दो अलग-अलग महिलाओं चंद्रिका और वसुधा के बीच अप्रत्याशित गतिशीलता को उजागर करती है। सामान्य प्रेम कहानियों के विपरीत यह शो उनके विपरीत व्यक्तित्वों और दृष्टिकोणों पर केंद्रित है, जिसमें दिखाया गया है कि कैसे उनका जीवन आश्चर्यजनक तरीकों से टकराता है। जहां प्रिया अपने किरदार में पूरी तरह से ढलने के लिए अपनी तरफ से बेहतरीन कोशिश कर रही हैं, वहीं वसुधा और चंद्रिका के बीच भारी अंतर देखना दिलचस्प होगा। यह शो 16 सितंबर से जी टीवी पर प्रसारित होगा।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के तेरापंथ भवन में साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में भगवती संवत्सरी महापर्व की धर्माराधना की गई। इस मौके पर 13 तपस्वियों, 8.6 प्रहरी पौषध आराधक एवं सैकड़ों उपवासी श्रावकों को सम्बोधित करते हुए कहा साध्वीश्री ने कहा कि संवत्सरी महापर्व नई क्रांति उत्पन्न करने का पर्व है।

क्षमादान देकर मन के मैल को दूर करें : संतश्री राजेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर स्थित लुणावत जैन स्थानक भवन में विराजित संतश्री राजेशमुनिजी ने पर्युषण पर्व के आठवें दिवस पर उदबोधन में क्षमा दान देने का विशेष आग्रह करते हुए कहा कि हमारा परम कर्तव्य बन जाता है कि हम स्वयं भी क्षमा मांगे और दूसरों को भी क्षमादान दें, ताकि जगत में आध्यात्मिक शांति स्थापित हो सके।

इससे हमारे मन, वाणी और काया के योग से सभी रोग कट जाते हैं और जन्म मरण का बंधन भी कट जाता है। आज हमें इस पर्व की सुंदर रोशनी को ग्रहण कर आत्मा को प्रकाशमान कर सिद्ध, बुद्ध और मुक्त बन जाना है। यह संवत्सरी पर्व हमें प्रेम रूपी जल से स्नान करवाता है जो हमारी आत्मा को कभी मैला नहीं होने देता और हमारा जीवन निर्मल और सरस बन जाता है। इन दिनों में हमें अपने रसनेंद्रिय को वश में कर आत्म कल्याण हेतु तप- त्याग में स्वयं को लगाना है। पर्व संवत्सरी मन की गांठें खोलने का पर्व है।

मुनि ने कहा कि क्षमादान देकर मन के मैल को दूर करना है और बैर की गाठों को खोलना है। हमें निर्दोष बनने हेतु सत्य, शील, और संतोष रूपी मंत्र को धारण करना होगा तभी हम परदोषों की जगह स्वदोषों को देखने में सक्षम बनेंगे। अगर हम गुनहगार हैं तो उसकी प्रथम साक्षी हमारी ही आत्मा होती हैं, इसलिए हमें इस त्यौहार पर अपनी ही आत्मा को साक्षी रखकर सामने वाले से क्षमा मांगनी चाहिए ताकि हमारी आत्मा पुनः शुद्ध बन जाय। हम कर्तव्यता, नैतिकता, मानव धर्म और निष्पक्षता जैसे उत्तम गुणों को पा सकें। इस मौके पर ऋषभमुनिजी ने भी विचार व्यक्त किए। संचालन संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने किया।

सरलता साधना का प्रवेश द्वार है : विनयमुनि

संवत्सरी महापर्व पर उमड़े श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग शिवाजीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित शिविराचार्य विनयमुनिजी खींचन ने अंतगढ़ सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि जो चतुर्विध संघ में भेद करावे, आगम परम्परा पर कुठाराघात करता हो, ऐसी आत्मा दुर्लभ बोधि बनती है। श्रावक या संयमियों के यश को धूमिल करना, गुरु अपने शिष्यों में निरपेक्षता नहीं रखते हैं। बिना इजाजत शिष्यों को फुसलाना-छिनना, ये सभी दुर्लभबोधि के लक्षण है। अनबन आज की जीवन शैली का एक प्रमुख अंग बनता जा रहा है। अन्यों की यश कीर्ति को धूमिल करना। कायोत्सर्ग की मुद्रा साधना का एक अंग है। साधक बनने के लिए दो बड़ी बाधाएँ काया और माया है। ममत्व भाव चाहे काया पर हो चाहे माया(धन) पर हो। अनीति की जड़ कपट भाव है। कपट का पुत्र झूठ है, ये दोनों मिलकर आत्मा का नैसर्गिक सत्य धर्म छुड़वा देते हैं। सरलता साधना का प्रवेश द्वार है। क्षमा याचना करने से मन आल्हादित हो जाता है, मन में प्रसन्नता बढ़ जाती है, बिना प्रसन्नता का मनुष्य जीवन एक भार होता है। मुनि श्री ने अपना पांचवा चातुर्मास गणेश बाग में करते हुए इस महापर्व पर समस्त बेंगलूरु जैन समाज से क्षमा याचना की। गणेश बाग संघ के अध्यक्ष लालचंद मांडोत, महामंत्री संपतराज मांडोत, कोषाध्यक्ष सुदर्शनकुमार मांडोत और पूरी कार्यकारिणी समिति ने क्षमायाचना की। संघ प्रवक्ता राजू सकलेचा ने सभी से क्षमा याचना की और सभी का स्वागत किया। दोपहर को कल्पसूत्र का वांचन और बड़ी साधु वंदना, प्रवचन के पश्चात बृहद आलोयणा और 45 लोगस्स, उसका सामूहिक पारायण किया।

भारत बहुपक्षवाद का उत्साही, प्रतिबद्ध समर्थक : संरा महासभा अध्यक्ष फ्रांसिस

संयुक्त राष्ट्र/भाषा

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 78वें सत्र के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस ने कहा कि भारत बहुपक्षवाद का उत्साही एवं प्रतिबद्ध समर्थक रहा है और 1.4 अरब की आबादी वाले लोकतंत्र के रूप में वैश्विक मामलों में निरंतर मजबूत योगदान देने के लिए उसका उज्ज्वल भविष्य है।

फ्रांसिस ने 193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा के इस सत्र के प्रमुख के तौर पर सोमवार को अपना एक साल का कार्यकाल खत्म होने से पहले ये टिप्पणियां कीं। फ्रांसिस ने यहां एक विशेष साक्षात्कार में 'पीटीआई-भाषा' से कहा, इसमें कोई शक नहीं है-भारत निश्चित तौर पर संयुक्त राष्ट्र में अग्रणी देश है। भारत बहुपक्षवाद का उत्साही और प्रतिबद्ध समर्थक रहा है, जिसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा काफी महत्व दिया जाता है।

कैमरून के पूर्व प्रधानमंत्री फिलेमन यांग 10 सितंबर को महासभा के 79वें सत्र के अध्यक्ष का कार्यभार संभालेंगे।

फ्रांसिस ने कहा कि वह उम्मीद करते हैं कि विश्व निकाय में भारत की भूमिका जारी रहे और मजबूत होती रहे। उन्होंने कहा, हम जानते हैं कि भारत की सुरक्षा परिषद का स्थाई सदस्य बनने की महत्वाकांक्षा है। सदस्य इस पर फैसला लेंगे कि उन्हें परिषद में कैसे सुधार करना है, सदस्य देशों का प्रतिनिधित्व करने के लिए कौन-से देश सबसे उपयुक्त होंगे और शक्तियों का विभाजन किस तरह से किया जाएगा।

फ्रांसिस ने कहा, लेकिन (भारत के) 1.4 अरब की आबादी वाला लोकतंत्र होने के कारण, मुझे विश्वास है कि कोई भी इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं कर सकता कि भारत का वैश्विक मामलों में निरंतर मजबूत योगदान देने के लिए उज्ज्वल भविष्य है। उन्होंने कहा कि भारत ने दक्षिण-दक्षिण सहयोग के संदर्भ में 'ग्लोबल साउथ' में अन्य विकासशील देशों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा करने में एक उन्नत विकासशील देश के रूप में ''बड़ी प्रतिबद्धता'' का प्रदर्शन किया है, जिसके लिए भारत सरकार की सराहना की जानी चाहिए।

पिछले सप्ताह, संयुक्त राष्ट्र में भारत के मनोनीत स्थाई प्रतिनिधि पार्थवनेनी हरीश ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में फ्रांसिस से मुलाकात की थी।

राजदूत हरीश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उन्हें पारस्परिक हित के विभिन्न मुद्दों पर फ्रांसिस के विचारों से लाभ हुआ। उन्होंने फ्रांसिस के कार्यकाल के दौरान भारत को मिले महासभा के समर्थन की सराहना भी की।

भारत से शेख हसीना को प्रत्यर्पित कराने के लिए बांग्लादेश आवश्यक कदम उठाएगा

ढाका/भाषा। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के नव नियुक्त मुख्य अभियोजक ने रविवार को कहा कि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत से प्रत्यर्पित कराने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, ताकि हाल में छात्र आंदोलन के दौरान हुई सामूहिक हत्याओं के आरोपों को लेकर उन पर मुकदमा चलाया जा सके। सरकार विरोधी अभूतपूर्व प्रदर्शनों के पांच अगस्त को चरम पर पहुंचने के बाद, हसीना को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा और वह देश छोड़कर भारत चली गईं। 'डेली स्टार' समाचार पत्र ने अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के मुख्य अभियोजक मोहम्मद ताजुल इस्लाम के हवाले से कहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री हसीना को भारत के साथ प्रत्यर्पण संधि के तहत वापस लाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, ताकि जुलाई और अगस्त में छात्र नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों के दौरान सामूहिक हत्याओं के आरोपों को लेकर उन पर मुकदमा चलाया जा सके। उन्होंने ढाका में न्यायाधिकरण परिसर में प्रेस वार्ता में कहा, जब अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण अपना काम फिर से शुरू करेगा तो हम सामूहिक हत्या और मानवता के खिलाफ अपराध के मामलों में शेख हसीना सहित सभी फरार आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने के लिए उसके समक्ष अर्जी दायर करेंगे। अंतरिम सरकार की स्वास्थ्य सलाहकार नूरजहां बेगम के अनुसार, हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों के दौरान 1,000 से अधिक लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हुए हैं।

आत्मा की ज्योति को उद्घाटित करने का पर्व है सम्वत्सरी : साध्वीश्री सिद्धप्रभा

विजयनगर में सम्वत्सरी महापर्व का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ सभा विजयनगर के अंतर्गत पयुर्षण पर्व के छठवां दिवस साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में अर्हम भवन में सम्वत्सरी महापर्व का आयोजन किया गया। साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आत्मा की ज्योति और प्रकाश को उद्घाटित करने का पर्व है सम्वत्सरी, यह जीवन को बदलने का महान उपक्रम है।

यह हमारे भीतर ऐसी ज्योति का जागरण करता है कि शरीर छूट जाए फिर भी भीतर की ज्योति प्रज्वलित होती रहती है। संवत्सरी महापर्व आत्मा के मैल धोने, भीतर की व्याधियों मिटाने, कषायों को हटाने और मन की कालिमा को दूर कर मन की गांठे खोलने वाला पर्व है। संवत्सरी को मैत्री पर्व भी कहा जाता है। साध्वीश्री जी ने भगवान ऋषभ के जीवन चरित्र का वर्णन करते हुए बताया कि भगवान ने ही विश्व को सर्वप्रथम असि, मसि और कृषि का ज्ञान दिया। साध्वीश्री ने तीर्थंकर सुमति नाथ, शांतिनाथ, अरिष्टनेमि, पारसनाथ के जीवन की कुछ घटनाओं एवं भगवान महावीर की विभिन्न देसनाओंका वर्णन किया।

साध्वीश्री आस्थाप्रभा जी ने भगवान महावीर की संयम यात्रा का वर्णन करते हुए भगवान की दीक्षा एवं साढ़े बारह वर्ष के साधना काल में भगवान द्वारा सहन किए गए विभिन्न उपसर्गों एवं परिषहों का बहुत ही मार्मिक वर्णन किया। साध्वी श्री दीक्षाप्रभा जी ने उत्तराध्ययन सूत्र का वाचन करते हुए कहा कि कामनाओं और वासनाओं में फंसा जीव जन्म जन्मांतर में भटकता रहता है। इच्छाएं अनंत है, जिनकी पूर्ति नहीं हो सकती, ऐसे में हमें जीवन में संतुष्टि लाने का प्रयास करना चाहिए। हम अतृप्ति की अग्नि में न झुलसे ,जो प्राप्त है उसे खुश होकर स्वीकार करें। जीव अकेला आया है अकेला ही जाएगा। बाहरी सुख और भौतिक सुख क्षणिक होते हैं आत्मिक सुख अक्षुण और शाश्वत है, इसलिए खुद की आत्मा के लिए समय निकालें और कर्मों को हल्का करें। कार्यक्रम में आरआर नगर के श्रावकों ने संवत्सरी महापर्व पर गीतिका की प्रस्तुति दी। सभा अध्यक्ष मंगल कोचर ने तपस्वियों की सुखसता पूछते हुए सभी को पर्युषण महापर्व की शुभकामनाएं दी।

बसवनगुड़ी दादावाड़ी में पौषध, तप, त्याग से मनाया गया सम्वत्सरी महापर्व

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित गुरुदेव मलयप्रभसागरजी, मुकुलप्रभसागरजी व साध्वीश्री स्वर्णांजनाश्रीजीकी निश्रा में पर्युषण महापर्व के चरम दिवस आंठवें दिन सम्वत्सरी महापर्व को पौषध, तप, त्याग और आराधना के साथ मनाया गया। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने सभी से क्षमायाचना की और कहा कि इस दिन संघ के अधिकतर सदस्यों ने एक से लेकर आठ और नौ उपवास की तपश्चर्या करके खाद्य सुरक्षा दिवस भी मनाया। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने बताया कि प्रातः भोर से ही आराधकों का आराधना भवन आना शुरू हो गया जिसमें से ऐतिहासिक करीब एक सौ पच्चीस पुरुष आराधकों ने और करीब सौ महिला आराधकों ने पौषध व्रत ग्रहण किया जो कि रिकार्ड संख्या रही।

प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने बताया कि प्रातः वेला में अजितकुमार मांगीलाल साकरिया परिवार ने गुरुदेव को परमात्मा की मूलवाणी बारसा जी सूत्र बोहराया, जिसकी मतिज्ञान पूजा मदनलाल नैनमल मुथा परिवार, श्रुतज्ञान पूजा भरत कुमार अर्हम गटागट, अवधि ज्ञान संघमाता इचरजदेवी चम्पालाल डोसी परिवार, मनपर्यव ज्ञान पूजा रिषभ कुमार मोतीलाल शाह परिवार द्वारा और केवल ज्ञान पूजा कुशलराज उत्तमचंद ललित कुमार गुलेच्छा परिवार द्वारा की गई।

प्रचार प्रसार संयोजक ललित डाकलिया ने बताया कि बारसा सूत्र के वांचन के दौरान मंजू मदनलाल बाफना परिवार द्वारा सकल संघ को चित्र दर्शन करवाए गए। पर्युषण महापर्व के पश्चात सर्वप्रथम परमात्मा के दर्शन करवाने हेतु जिनालय और दादावाड़ी का द्वारोद्घाटन जयंतीबाई पारसमल खिंवसरा परिवार द्वारा किया गया। दोपहर को सांवत्सरिक प्रतिक्रमण में करीब दो हजार आराधकों ने अपने द्वारा वर्ष भर में किए गए पापों की आलोचना की। रात्रि में परमात्मा, गुरुदेव और नाकोड़ा भैरव देव की आरती उतारी गई। संवत्सरी पर्व के उपलक्ष्य में दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

चित्रकला प्रतिस्पर्धा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में नवकार बहु मंडल ने पर्युषण पर्व पर बच्चों के लिए चित्रकला स्पर्धा का आयोजन किया। नवकार मंत्र को लिखकर रंगों से सजाने की प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। अच्छी कलाकृति को पुरुस्कृत किया गया। इस अवसर पर अलसूर जैन संघ के अध्यक्ष नेमीचंद चोरडिया, मंत्री अभयकुमार बांठिया के साथ आशाबाई बोहरा, राजेश्वरी तातेड़, नंदू कोठारी सहित नवकार बहु मंडल तथा युवक संघ के सदस्य उपस्थित थे।

'आगम श्रवण करने वाले भाग्यशाली होते हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में पर्युषण पर्व के आखिर दिन अंतगड दशा सूत्र का वाचन एवं विवेचन करते हुए स्वाध्यायी अभय कुमार बांठिया ने कहा कि वे भाग्यशाली होते हैं जो आगम को सुनते हैं।

आगम भगवान महावीर की वाणी है जो सुधर्मा स्वामी और जम्बू स्वामी के संवाद के रूप में हमे उपलब्ध है। अंतगड सूत्र में त्याग और तपस्या का वर्णन है। संसार के अपार वैभव व सुख को नश्वर जानकर अनेक महारानियों ने साधना के लिए तप का मार्ग अपनाया और कर्म श्रृंखला को तोड़ दिया। जैसे दूध को गरम करने भगोने(बर्तन) को तपाना पड़ता है वैसे ही महारानियों ने अपने सुकोमल शरीर को तपा दिया। ऐसी 90 आत्माओं का वर्णन अंतगड सूत्र में आता है और परंपरा से इसका वाचन 8 दिनों में संपन्न होता है। अनेक श्रावक श्राविका इस संदर्भ में उपवास आदि अनेक तप करते हैं।

बाहरी सौंदर्य नहीं, भीतरी सौंदर्य को देखने का पर्व है संवत्सरी : साध्वीश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। शहर के तेरापंथ भवन में साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में भगवती संवत्सरी महापर्व की धर्माराधना की गई। इस मौके पर 13 तपस्वियों, 8.6 प्रहरी पौषध आराधक एवं सैकड़ों उपवासी श्रावकों को सम्बोधित करते हुए कहा साध्वीश्री ने कहा कि संवत्सरी महापर्व नई क्रांति उत्पन्न करने का पर्व है। स्वयं के भीतर पुरुषार्थ करने का पर्व है। बाहरी सौंदर्य नहीं, भीतरी सौन्दर्य को देखने का पर्व है।

सम्पूर्ण जैन समाज इस पर्व के प्रति श्रद्धावनत है। महावीर के भवों का वर्णन करते हुए भगवान का जन्म, दीक्षा, उपसर्गो की रोचक कहानी का वर्णन किया। साध्वी मार्दवश्रीजी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि जैन आगम तप को मंगल कहते हैं क्योंकि तप शरीर, मन, बुद्धि आत्मा चारों को मंगलमय बनाता है ।तप शरीर के रोग निकालता है, अशुद्ध कर्म संस्कारों का शोधन करता है। चन्दनबाला के शुभ-अशुभ कर्मो के फलों का वर्णन करते हुए कथा सुनाई एवं गीतमय प्रस्तुति दी।

साध्वी मनीषाप्रभाजी ने गणधरवाद एवं निष्नवों की व्याख्या की। साध्वी रौनकप्रभाजी ने उत्तराध्ययन का सूत्र का वाचन एवं 6 आरों की जानकारी दी। कार्यक्रम में अनेक तपस्वियों ने प्रत्याख्यान किए। तेरापंथ युवक परिषद एवं कन्या मंडल ने मंगलाचरण किया। अमित आच्छा ने मासखमण का तथा अन्य युवाओं ने अन्य तपस्याओं का प्रत्याख्यान ग्रहण किया। साध्वी संयमलताजी ने सभी तपस्वियों की अनुमोदना में स्वरचित गीतों का संगान किया। कार्यक्रम में मंड्या व आसपास के शहरों से बड़ी संख्या में श्रावक श्राविका उपस्थित थे। श्रावकों ने बड़े उत्साह एवं उमंग के साथ संवत्सरी महापर्व की आराधना की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

बेंगलूरु के सुमतिनाथ जैन मंदिर मनवरतपेट में अमरचन्द मेहता परिवार द्वारा सम्वंतसरी पर्व के दूसरे दिन रविवार को मंदिर के पट्ट खोले तथा सकल संघ को प्रभु प्रतिमा के दर्शन कराए। इस मौके पर तपस्वियों का भी सम्मान किया गया। मासखमण करने वाले शिल्पादेवी व जिनलदेवी हरण का सम्मान किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष दिलीप जैन ने सभी से क्षमायाचना की ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गणेश शोभायात्रा

बेंगलूरु के गांधीनगर विधानसभा क्षेत्र की चिकपेट में गणेश उत्सव समिति द्वारा सामूहिक विसर्जन समिति की ओर से भगवान गणेश की विशाल शोभायात्रा निकाली गई तथा विधि विधान से विसर्जन किया गया। इस शोभायात्रा में 40 से अधिक गणेश प्रतिभाएं शामिल हुई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गणेश भक्त उपस्थित थे। इस मौके पर पार्षद लीला शिवकुमार, पूर्व पार्षद एएल शिवकुमार, मारुति मेडिकल के महेन्द्र मुणोत सहित अन्य राजनेता व समाजसेवी उपस्थित थे।

संभवनाथ जैन मंदिर क्लब रोड में विधायक ने किए साध्वीश्री के दर्शन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के विजयनगर क्लब रोड स्थित संभवनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री परागश्रीजी के सान्निध्य में जैन संवत्सरी पर्व का आयोजन किया तथा बारसा सूत्र का वाचन किया गया। इस मौके पर क्षेत्र के विधायक एम कृष्णाप्पा ने साध्वीश्री के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

संघ के अध्यक्ष नरेंद्रसिंह सामर ने विधायक का स्वागत किया तथा संघ की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में अध्यक्ष नरेंद्रसिंह सामर, उपाध्यक्ष रमेश भंडारी, जिनेन्द्र गाँधी, किशोर मोनावत, धर्मेंद्र सिरोहीया, निकेश बोहरा, कुशल बोहरा, सम्पत चौहान, उत्तम भंडारी, मुकेश, विमल सालेचा, पंकज सेठ एवं दिनेश मोनावत ने विधायक का सम्मान किया गया। विधायक कृष्णाप्पा ने जैन समाज के कार्यों की सराहना करते हुए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस मौके पर संभवनाथ युवक मण्डल, महिला मण्डल आदि मंडल के सदस्य उपस्थित थे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com